RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 162 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 05-01-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पिछले साढ़े 11 वर्षों में भारत में पनपी नई खेल संस्कृति : योगी

6 रियलिटी नहीं, रील में बर्बाद हो रही है युवा पीढ़ी

7 सारा अर्जुन ने 'धुरंधर' की सफलता पर दर्शकों का आभार व्यक्त किया

फर्स्ट टेक

नेपाल में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया

काठमांडू/भाषा। नेपाल के उदयपुर जिले में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूकंप से किसी के हताहत होने या किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप मापन तथा अनुसंधान केंद्र (एनईएमआरसी) के अनुसार, भूकंप के झटके शनिवार रात 10 बजकर 51 मिनट पर महसूस किए गए, जिसका केंद्र उदयपुर जिले के बागापाटी क्षेत्र में था। भूकंप के झटके आसपास के जिलों में भी महसूस किए गए। इससे पहले शनिवार सुबह पश्चिमी नेपाल के ताप्लेजुंग जिले में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। नेपाल में अक्सर भूकंप आते रहते हैं और यह देश अत्यधिक सक्रिय 'टेक्टोनिक' क्षेत्रों में स्थित होने के कारण भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील है।

कश्मीर में शीतलहर तेज

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान में एक दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है जिससे पूरे क्षेत्र में शीतलहर का प्रकोप और तेज हो गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्रीनगर में शनिवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के शून्य से 1.5 डिग्री सेल्सियसन नीचे दर्ज किये गए तापमान से कम है। उत्तरी कश्मीर का प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग घाटी में सबसे सर्द स्थान बना हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि गुलमर्ग में लगातार दूसरी रात न्यूनतम तापमान शून्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। वहीं, दक्षिण कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में यह शून्य से पांच डिग्री सेल्सियस नीचे बना हुआ है।

बारामूला में सुरक्षा बलों ने आतंकवादी ठिकाना नष्ट किया

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी ठिकाने को नष्ट कर दिया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किये। उन्होंने बताया कि शनिवार को बारामूला के शेरी क्षेत्र के सुचलीवरन जंगल में तलाश अभियान के दौरान इस ठिकाने का पता चला। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने ठिकाने से दो हथगोले, एके-47 राइफल की 24 गोलियां, एक वायरलेस एंटीना, एक कुल्हाड़ी, तार काटने की एक मशीन और दो छाते बरामद किये।

05-01-2026 सूर्यास्त 5:55 बजे | 06-01-2026 सूर्योदय 6:32 बजे

BSE	NSE
85,762.01 (+573.41)	26,328.55 (+182.00)

सोना	चांदी
13,985 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	256,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लीक लिखी

सबकुछ तो है खुला देश में,
नकल, परीक्षा, भ्रष्टाचार।
टाइट केवल आज दिख रहा,
खुली सोच या फिर बाजार।
धर्म सियासत सभी लीक पर,
लीक सनातन सा व्यवहार।
लीक छोड़ अब तीनों चलते,
नेता, बाबा या बेकार।।

द्रमुक सरकार सबसे भ्रष्ट : शाह

20 फीसदी कमीशन का नियम प्रचलित होने का शाह का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुकोट्टई (तमिलनाडु)/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उसे देश की सबसे भ्रष्ट सरकार बताया, जहां '20 प्रतिशत कमीशन' का नियम प्रचलित है।

उन्होंने विश्वास जताया कि इस साल तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विजयी होगा।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन द्वारा शुरू की गई पदयात्रा के समापन के अवसर पर आयोजित एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए शाह ने 2024 से भाजपा-राजग की विजय उपलब्धियों का ब्योरा दिया, जिसमें हरियाणा में लगातार तीसरी जीत और दिल्ली एवं बिहार में मिली जीतें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की बारी है। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक, भाजपा और अन्य दलों के मजबूत गठबंधन से राजग विजयी होगा। शाह ने द्रमुक सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया।

भाजपा की यह भव्य जनसभा नागेंद्रन की राज्यव्यापी यात्रा 'तमिलगम थलैनीमिरा तमिलानिन पयानम' (तमिलनाडु के उत्थान के लिए एक तमिल की यात्रा) के समापन का प्रतीक है, जो 12 अक्टूबर, 2025 को मदुरै से शुरू हुई थी।

शाह ने कथित भ्रष्टाचार को लेकर सत्ताधारी द्रमुक की जमकर आलोचना की और उसे भ्रष्टाचार का पर्याय बताया। उन्होंने सवाल किया कि क्या राज्य 'भ्रष्ट मंत्रियों की फौज' के साथ प्रगति कर सकता है।

भारत 'पूरी मजबूती से' 2036 के ओलंपिक की मेजबानी की तैयारी कर रहा है : प्रधानमंत्री

■ खेलो इंडिया अभियान की वजह से सैकड़ो युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर आगे आने का मौका मिल रहा है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पिछले साढ़े 11 वर्षों में सरकार ने देश में खेलों के क्षेत्र में व्यापक बदलाव करते हुए 20 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किये हैं और भारत पूरी मजबूती से' 2036 के ओलंपिक की मेजबानी की भी तैयारी कर रहा है। वाराणसी में रविवार को से शुरू हुई 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप के उद्घाटन कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में कई शहरों में फीफा अंडर-17 विश्व कप और हॉकी विश्व कप समेत 20 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा, ''2030 के राष्ट्रमंडल खेल भी भारत में ही होने जा रहे हैं। भारत पूरी मजबूती से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी की भी तैयारी कर रहा है। इसके पीछे प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को खेलने के अधिक से अधिक मौके मिलें।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर सवार है। देश का हर क्षेत्र, विकास की हर परिभाषा इस 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' से जुड़ रहा है और खेलों की परिभाषा भी इसमें से एक है। उन्होंने कहा, ''खेल के क्षेत्र में भी सरकार ने बड़े व्यापक सुधार किये हैं। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम और खेलो भारत नीति 2025... इस प्रकार के प्रावधानों से सही प्रतिभा को अवसर मिलेगा, खेल संगठनों में पारदर्शिता बढ़ेगी और साथ ही देश के युवाओं को खेल और शिक्षा दोनों ही क्षेत्र में एक साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। एक तरफ हम अच्छा मूलभूत ढांचा और वित्त पोषण का तंत्र तैयार कर रहे हैं और उसके साथ ही नौजवानों को शानदार अनुभव देने के लिए भी काम कर रहे हैं।''

मोदी ने कहा कि एक समय था जब खेलों को लेकर सरकार और समाज दोनों में ही उदासीनता का माहौल था। बहुत कम युवा खेल को करियर की तरह अपनाते थे लेकिन बीते दशक में खेलों को लेकर सरकार और समाज दोनों की ही सोच में बदलाव दिख रहा है। प्रधानमंत्री ने खेलों के क्षेत्र में अपनी सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा, हम स्कूल स्तर पर भी खिलाड़ियों को ओलंपिक का अनुभव देने में जुटे हैं। खेलो इंडिया अभियान की वजह से सैकड़ो युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर आगे आने का मौका मिल रहा है। अभी कुछ दिन पहले ही सांसद खेल महोत्सव का भी आयोजन हुआ है।

भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक : कृषि मंत्री

■ 15.18 करोड़ टन के कुल उत्पादन के साथ भारत ने चीन को पछाड़ा

■ देश में प्रचूर मात्रा में खाद्यान्न भंडार है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को 25 फसलों की 184 नई किस्में जारी करते हुए कहा कि भारत 15.18 करोड़ टन के कुल उत्पादन के साथ चीन को पछाड़कर दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बन गया है। चौहान ने कहा कि इन नई उच्च उपज वाली बीज किस्मों से फसल उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने मंत्रालय के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि ये नई किस्में किसानों तक जल्दी पहुंचें।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित 25 क्षेत्रीय फसलों की 184 उन्नत किस्मों का अनावरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि देश ने अधिक उपज देने वाले बीजों के विकास में बड़ी सफलता हासिल की है। वर्ष 1969 में राजपत्र अधिसूचना प्रक्रिया शुरू होने के बाद से कुल 7,205 फसल किस्मों को अधिसूचित किया गया है, जिनमें चावल, गेहूं, ज्वार, मक्का, दालें, तिलहन, फाइबर फसलें शामिल हैं।

चौहान ने बताया कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा 3,236 अधिक उपज देने वाली किस्मों को मंजूरी दी गई है, जबकि 1969 से 2014 के बीच 3,969 किस्मों को अधिसूचित किया गया था। मंत्री ने कहा कि भारत भोजन की कमी वाले देश से वैश्विक खाद्य प्रदाता बन गया है। चौहान ने कहा, चावल उत्पादन में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है और दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है। उन्होंने इसे एक अभूतपूर्व उपलब्धि बताते हुए कहा कि भारत का चावल उत्पादन चीन के 14.5 करोड़ टन की तुलना में 15.18 करोड़ टन तक पहुंच गया है।

'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी में बुजुर्ग से 7.12 करोड़ की ठगी

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी करने वाले जालसाजों ने 81 वर्षीय एक व्यक्ति को मादक पदार्थ तस्करी रैकेट में शामिल होने की धमकी देकर 'सत्यापन' के बहाने उससे 7.12 करोड़ रुपये ठग लिए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, साइबर ठगों ने पीड़ित को पिछले साल 27 अक्टूबर को फोन किया और खुद को एक कूरियर कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए दावा किया कि मुंबई से थाईलैंड भेजे गए एक पार्सल में एमडीएमए (मादक पदार्थ), पासपोर्ट और कुछ डेबिट और क्रेडिट कार्ड मिला है जिसे मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके बाद, एक अन्य व्यक्ति ने मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर बुजुर्ग को फोन किया और कहा कि वह मादक पदार्थ तस्करी, धन शोधन एवं आतंकवादी गतिविधियों के एक बड़े रैकेट में शामिल है।

ममता ने सीईसी से पश्चिम बंगाल में एसआईआर को रोकने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर राज्य में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को तुरंत रोकने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि इससे बड़े पैमाने मतदाताओं के मताधिकार का हनन हो सकता है तथा भारतीय लोकतंत्र की नींव को 'अपूरणीय क्षति' पहुंचा सकती है। तीन दिसंबर को मुख्य निर्वाचन आयुक्त को लिखे पत्र में बनर्जी ने राज्य में एसआईआर में कथित अनियमितताओं, प्रक्रियागत उल्लंघनों और प्रशासनिक खामियों पर 'गंभीर चिंता' जताई और कहा कि यह प्रक्रिया अनियोजित, अपर्याप्त तैयारी और 'आननफानन में' की गई है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''एसआईआर प्रक्रिया में गंभीर खामियां हैं और यह हमारे लोकतंत्र के मूल ढांचे और संविधान की भावना पर प्रहार करती है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि 'अत्यधिक जल्दबाजी' और 'पर्याप्त तैयारी की कमी' के कारण गंभीर खामियां उत्पन्न हुई हैं, जिनमें दोषपूर्ण सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली, असंगत निर्देश और इस कार्य के लिए नियुक्त अधिकारियों का अपर्याप्त प्रशिक्षण शामिल है। ममता ने पत्र में लिखा, यदि इसे वर्तमान स्वरूप में जारी रहने दिया गया, तो एसआईआर से अपूरणीय क्षति होगी, बड़े पैमाने पर मतदाताओं के मताधिकार का हनन होगा और लोकतंत्र की नींव पर प्रहार होगा।

अलाव

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में रविवार को ठंडी सर्द सुबह के दौरान लोग अस्थायी अलाव के चारों ओर बैठकर ठंड से राहत लेते हुए।

वेनेजुएला पर शासन नहीं करेगा अमेरिका

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को संकेत दिया कि अमेरिका 'तेल नाकेबंदी' लागू करने के अलावा वेनेजुएला के दैनिक शासन में कोई भूमिका नहीं निभाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक दिन पहले ही घोषणा की थी कि वेनेजुएल के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने के बाद अमेरिका लातिन अमेरिकी देश का शासन संभालेगा। रुबियो के इस बयान को उस चिंता को कम करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है कि क्या सत्ता परिवर्तन हासिल करने के लिए की गई आक्रामक अमेरिकी कार्रवाई से वेनेजुएला में लंबे समय तक चलने वाला विदेशी हस्तक्षेप या राष्ट्र निर्माण की असफल कोशिश हो सकती है।

वेनेजुएला से जुड़े घटनाक्रम पर भारत ने 'गहरी चिंता' व्यक्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने रविवार को अमेरिकी सैन्य अभियान में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़े जाने पर 'गहरी चिंता'' व्यक्त की तथा कहा कि वह तेल समृद्ध दक्षिण अमेरिकी देश में तेजी से बदल रही स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। अमेरिका ने शनिवार को एक सैन्य अभियान के तहत तेल समृद्ध वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया था।

विदेश मंत्रालय ने कहा, ''वेनेजुएला में हालिया घटनाक्रम गहरी चिंता का विषय है। हम तेजी से बदलती स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं।'' भारत ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने का भी आह्वान किया। मंत्रालय ने कहा, ''भारत वेनेजुएला के लोगों के कुशल-क्षेम और उनकी सुरक्षा के प्रति समर्थन की फिर पुष्टि करता है।'' बयान में कहा गया, ''हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि वे बातचीत के जरिए मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएं ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे।''

अमेरिका ने मादुरो पर मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने का लगातार आरोप लगाने के बाद वेनेजुएला की राजधानी काराकस पर शनिवार को सैन्य हमला किया। मादुरो ने आरोपों का कड़े शब्दों में खंडन किया था। अमेरिकी सैनिक मादुरो और उनकी पत्नी को न्यूयॉर्क ले गए हैं। अमेरिकी कार्रवाई के बाद वेनेजुएला ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की अमेरिकी सेना द्वारा गिरफ़्तारी और न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में उनका रखे जाना वैश्विक विवाद का विषय बना है। इसी के विरोध में रविवार को न्यूयॉर्क स्थित मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर के बाहर अनेक प्रदर्शनकारी एकत्र हुए, जिन्होंने अमेरिका के कदम को अवैध हस्तक्षेप और तेल-हित युद्ध करार देते हुए नारेबाजी की।

एआई के क्षेत्र में निवेश के लिए आदर्श गंतव्य राजस्थान : राज्यवर्धन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने रविवार को जयपुर में ''राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026'' का उद्घाटन किया।

कर्नल राठौड़ ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज प्रौद्योगिकी अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी है और गांव-देहात का व्यक्ति आज सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से वैश्विक तंत्र से जुड़ रहा है।

राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कर्नल राठौड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार की कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) एवं तकनीकी नीतियों एवं दक्ष युवा संसाधन की उपलब्धता के कारण आज तकनीकी क्षेत्र में निवेश के लिए राजस्थान एक आदर्श गंतव्य है। राजस्थान सरकार द्वारा आईस्टार्ट के माध्यम से हजारों स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा, ''इस वैश्विक सम्मेलन के माध्यम से नवाचार, निवेश एवं उद्यमिता को एक मंच पर लाया गया है। आगामी तीन दिनों में 100 से अधिक स्टार्टअप्स को वैश्विक निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। 35 विश्वविद्यालयों द्वारा एआई एवं तकनीकी क्षेत्र में नए विचारों पर मंथन किया जाएगा।''

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने कहा, ''राजस्थान में तकनीक के माध्यम से निवेश, कौशल और सेवा प्रदायगी को बेहतर बनाया जा रहा है। आविष्कार सिर्फ प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहें, इसके लिए प्रदेश में तकनीक के क्षेत्र में अवसर बढ़ाए जा रहे हैं और विभाग द्वारा युवा स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाने हेतु समुचित वातावरण उपलब्ध करवाया जा रहा है।''

तटरक्षक बल का प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' आज सेवा में शामिल होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

Photo: X / @goaship

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' को पांच जनवरी को भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) बल की सेवा में शामिल करेंगे। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय तटरक्षक का स्वदेशी रूप से निर्मित यह पहला प्रदूषण नियंत्रण पोत है। 114.5 मीटर लंबे इस पोत में 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री है। पोत का वजन 4,200 टन है और इसकी गति 22 नॉट से अधिक की है। यह पोत समुद्री प्रदूषण नियंत्रण नियमों को लागू करने, समुद्री कानून प्रवर्तन, खोज और बचाव अभियानों और भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस पोत को औपचारिक रूप से दिसंबर में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) में तटरक्षक बल को सौंप दिया गया था। भारतीय तटरक्षक बल ने एक पोस्ट में कहा, ''तटरक्षक के पोत समुद्र प्रताप को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पांच जनवरी को गोवा स्थित गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में सेवा में शामिल करेंगे। यह दो प्रदूषण नियंत्रण पोतों में से पहला पोत है।'' तटरक्षक बल ने पोत का एक छोटा वीडियो क्लिप भी साझा किया, जिसे बल का सबसे बड़ा और सबसे उन्नत प्रदूषण नियंत्रण पोत बताया जा रहा है। तटरक्षक बल ने कहा, जीएसएल द्वारा 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री से निर्मित, 114.5 मीटर लंबा और 4,200 टन वजन वाला यह पोत 22 नॉट से अधिक की गति से संचालित हो सकता है। इस पोत से आईसीजी की प्रदूषण नियंत्रण, अग्निशमन और समुद्री सुरक्षा क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

आईसीजी ने पूर्व में कहा था कि यह तेल रिसाव का पता लगाने के लिए उन्नत प्रणालियों से सुसज्जित है, जैसे कि 'ऑयल फिंगरप्रिंटिंग मशीन', 'जाइरो स्टेबलाइज्ड स्टैंडऑफ एक्टिव केमिकल डिटेक्टर' और पीसी लैब उपकरण। अधिकारियों ने कहा कि इस पोत के सेवा में शामिल होने से भारत की समुद्री प्रदूषण से निपटने की क्षमता मजबूत होगी और रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।

चैरिटी रन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रविवार को सूरत के वीएनएसजीयू परिसर में आयोजित 'रन फॉर गर्ल चाइल्ड' चैरिटी रन में प्रतिभागी हिस्सा लेते हुए।

'जलपुरुष' राजेंद्र ने इंदौर की पेयजल त्रासदी को 'तंत्र निर्मित आपदा' बताया, भ्रष्टाचार का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। जल संरक्षण विशेषज्ञ राजेंद्र सिंह ने इंदौर में दूषित पानी पीने के कारण कम से कम छह लोगों की मौत को तंत्र निर्मित 'पदा' करार देते हुए रविवार को आरोप लगाया कि इस त्रासदी की जड़ में भ्रष्टाचार है। रमन मैगसायसाय पुरस्कार विजेता सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा,इंदौर की दूषित पेयजल त्रासदी, तंत्र निर्मित आपदा है। ठेकेदार अपना पैसा बचाने के लिए पेयजल की पाइपलाइन ड्रेनेज की पाइपलाइन के पास बिछा देते हैं। भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को बर्बाद कर दिया है। इंदौर की त्रासदी इस भ्रष्ट तंत्र का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि अगर देश के सबसे साफ शहर में ऐसी त्रासदी हो सकती है, तो समझा जा सकता है कि दूसरे शहरों में पेयजल आपूर्ति प्रणाली के हालात कितने गंभीर होंगे। इंदौर, अपनी पानी की जरूरतों के लिए नर्मदा नदी पर निर्भर है। नगर निगम की बिछाई पाइपलाइन के जरिये नर्मदा नदी के पानी को पड़ोसी खरगोन जिले के जलूद से 80 किलोमीटर दूर इंदौर लाकर घर-घर पहुंचाया जाता है। मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इस शहर में हर दूसरे दिन नल कनेक्शन के जरिये जलापूर्ति की जाती है।

भारत के 'जल पुरुष' के रूप में मशहूर सिंह ने कहा,इंदौर में भू-जल स्तर का साल-दर-साल नीचे जाना सबसे ज्यादा चिंताजनक है। मैं 1992 में पहली बार इंदौर गया था। तब भी मैंने कहा था कि शहर नर्मदा नदी के जल पर कब तक आश्रित रहेगा? उन्होंने कहा कि शहर इतने बरस बाद भी नर्मदा नदी के पानी पर निर्भर है, तो इसका मतलब है कि सरकारी तंत्र में बैठे लोग जल प्रबंधन की जिम्मेदार प्रणाली बनाना ही नहीं चाहते। सिंह ने दावा किया कि 80 किलोमीटर दूर से नर्मदा का पानी इंदौर लाने की परियोजना में बड़ी रकम भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती है। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना के लिए नगर निगम के खजाने से हर महीने करीब 25 करोड़ रुपये की रकम केवल बिजली बिल पर खर्च होती है। परियोजना पर खर्च होने वाली भारी-भरकम राशि का अंदाजा महापौर पुष्यमित्र भार्गव के बयानों से भी लगाया जा सकता है।

भार्गव ने 27 जून 2024 को शहर में एक संगोष्ठी के दौरान कहा था,मैं जब से महापौर बना हूं, तब से मजाक में कह रहा हूं कि इंदौर एशिया के सबसे रईस शहरों में से एक है क्योंकि हम 21 रुपये प्रति किलोलीटर की लागत वाला पानी पीते हैं और इसे बेवजह बहाते भी हैं। हम पानी नहीं, बल्कि घी पी रहे हैं।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में हिस्सा लेने वृन्दावन पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

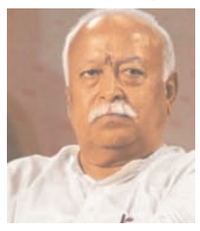

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में भाग लेने के लिए रविवार सुबह भोपाल से रेल मार्ग द्वारा वृन्दावन स्थित केशवधाम पहुंचे। संघ के सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह सात दिन के प्रवास पर वृन्दावन में रहेंगे। संघ के सूत्रों के अनुसार, भारत माता के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ संघ प्रमुख की अध्यक्षता में बैठक की शुरुआत हुई। सप्ताहभर होने वाली इस बैठक के पहले दिन चार सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन सत्रों के दौरान केंद्रीय कार्यकारिणी के 38 पदाधिकारी संघ के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में गांव-गांव आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से संघ का संदेश जन-जन तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने के तरीकों पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही राज्यों से पलायन की समस्या, सामाजिक समरसता, पड़ोसी देशों में हो रही हलचल और हिंसक घटनाओं जैसे विषयों पर भी मंथन होगा। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश सहित चार राज्यों के मुख्यमंत्री भी मोहन भागवत से चर्चा करने वृन्दावन पहुंच सकते हैं।

उन वार्ड में निकाय चुनाव रद्द कर प्रक्रिया फिर शुरू की जाए, जहां उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए : उद्धव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को मांग की कि महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव के तहत जिन वार्ड में उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत हुई है, वहां चुनाव रद्द किए जाएं और चुनावी प्रक्रिया फिर से शुरू की जाए। निर्विरोध चुने गए अधिकतर उम्मीदवारों में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल दलों के उम्मीदवार हैं। निकाय चुनाव 15 जनवरी को होने हैं।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे के साथ मौजूद उद्धव ने दावा किया कि ''देश में माहौल ऐसा है, मानो लोकतंत्र पर भीड़तंत्र ने कब्जा कर लिया है।'' दोनों चचेरे भाइयों ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए अपने गठबंधन का घोषणापत्र जारी किया। राज ठाकरे ने जोर देकर कहा कि मराठी भाषा का सम्मान किया जाना चाहिए और मुंबई और राज्य के अन्य शहरों के महापौर मराठी ही होंगे।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि जब से उनकी सरकार को सत्ता से हटाया गया और एकनाथ शिंदे ने राज्य सरकार की बागडोर संभाली (जून 2022 में), बीएमसी की संपत्ति ठेकेदारों पर लुटाई जा रही है। उन्होंने दावा किया कि अगर बीएमसी का व्यय बजट 15,000 करोड़ रुपये है, तो विभिन्न कार्यों के लिए ठेकेदारों को अग्रिम राशि जुटाने के रूप में तीन लाख करोड़ रुपये देने पड़ेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि यह तीन लाख करोड़ रुपये का घोटाला है और रिश्वत की रकम का इस्तेमाल नगर निकाय चुनाव के लिए किया जा रहा है। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और महायुति गठबंधन के उसके सहयोगियों ने निर्विरोध 68 सीट पर जीत दर्ज की है। उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि वोट चोरी के बाद अब सत्तारूढ़ दल उम्मीदवार भी चुरा रहे हैं। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख ने कहा, अगर राज्य निर्वाचन आयोग में साहस है, तो उसे उन वार्ड में चुनाव रद्द कर देना चाहिए, जहां उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं और उसे इन वार्ड में चुनावी प्रक्रिया फिर से शुरू करनी चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना मतदाताओं, खासकर 'जेनरेशन-जेड', से उनके मताधिकार का अवसर छीनने जैसा है। सत्तारूढ़ गठबंधन को चेतावनी देते हुए मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि सत्ता स्थायी नहीं होती और भाजपा गलत परंपरा स्थापित कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर भविष्य में उनके उत्तराधिकारी और भी परिष्कृत तरीके से ऐसे हथकंडे अपनाएं, तो सत्तारूढ़ दल को शिकायत नहीं करनी चाहिए।

कांग्रेस नेता अधीर ने बंगाली प्रवासी श्रमिकों से मुलाकात की

संबलपुर (ओडिशा)/भाषा। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने रविवार को ओडिशा के संबलपुर में पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिकों से मुलाकात की और कुछ राज्यों में समानांतर पुलिसिंग पर चिंता व्यक्त की, जहां बंगाली मजदूरों से निजी व्यक्तियों द्वारा कथित तौर पर उनकी पहचान का प्रमाण मांगा जा रहा है। चौधरी ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों से इस प्रथा को रोकने का आग्रह किया। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर लोकसभा क्षेत्र से पांच बार के पूर्व सांसद चौधरी ने प्रवासी श्रमिकों को यह आश्वासन भी दिया कि कांग्रेस उनके साथ है।

चौधरी ने पत्रकारों से कहा, मैंने यहां कुछ बंगाली प्रवासी श्रमिकों से मुलाकात की और उन्हें बताया कि कांग्रेस उनके साथ है। मैंने उन्हें यह भी बताया कि इस मामले को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष उठाया गया है। उन्होंने मुर्शिदाबाद के जंगीपुर के रहने वाले 30 वर्षीय बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिक ज्वेल राणा की पिछले महीने संबलपुर में बीड़ी को लेकर हुए विवाद में हत्या पर चिंता व्यक्त की। यह भी आरोप लगाया गया था कि हमलावरों ने राणा को बांग्लादेशी घुसपैठिया होने का संदेह जताते हुए उसे आधार कार्ड दिखाने को कहा था, हालांकि स्थानीय पुलिस ने इस आरोप का खंडन किया है।

चौधरी ने कहा, कुछ राज्यों में समानांतर पुलिसिंग व्यवस्था चल रही है, जहां निजी व्यक्ति प्रवासी श्रमिकों से पहचान पत्र दिखाने को कह रहे हैं। इसे रोका जाना चाहिए और पुलिस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी प्रवासी श्रमिक को बांग्लादेशी घुसपैठिया होने के संदेह में गुंडों द्वारा परेशान ना किया जाए। लोकसभा में कांग्रेस के पूर्व नेता ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष उठाया है। चौधरी ने यह भी कहा कि वे इस मामले को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, संबलपुर सांसद एवं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के संज्ञान में लाने की योजना बना रहे हैं।

कांग्रेस नेता चौधरी ने कहा, मैं विभिन्न राज्यों में काम कर रहे बंगाली प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा के लिए लड़ूंगा। उन्होंने स्थानीय कांग्रेस नेताओं से भी मुलाकात की और उनसे भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सतर्क रहने का आग्रह किया।

भोगपुरम में जीएमआर विशाखापत्तनम हवाई अड्डा ने सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। जीएमआर एयरो के नेतृत्व वाली जीएमआर विशाखापत्तनम इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने रविवार को आगामी भोगपुरम हवाई अड्डे पर एक वैधता परीक्षण उड़ान का आयोजन किया। इस उड़ान का संचालन एयर इंडिया के विमान द्वारा किया गया और इस दौरान केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू, नागर विमानन मंत्रालय, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के वरिष्ठ अधिकारी, आंध्र प्रदेश सरकार के अधिकारी और जीएमआर ग्रुप के शीर्ष अधिकारी शामिल थे।

नायडू ने इसे आंध्र प्रदेश की विकास यात्रा का ऐतिहासिक क्षण करार दिया। उन्होंने कहा, ''विशाखापत्तनम पूर्वी भारत की आर्थिक राजधानी बनने जा रहा है। भोगपुरम हवाई अड्डा रोजगार सृजन, क्षेत्रीय उद्योगों को बढ़ावा और लोगों तथा व्यापारियों के लिए बेहतर संपर्क का प्रमुख स्रोत बनेगा। यह हवाई अड्डा व्यापार मजबूत करेगा, निर्यात बढ़ाएगा और आंध्र प्रदेश की पर्यटन क्षमता को उजागर करेगा।

उन्होंने आगे कहा कि अगर किसी मौजूदा हवाई अड्डे की क्षमता पूरी तरह भर चुकी है, तो 150 किलोमीटर हवाई दूरी' का नियम लागू नहीं होगा। यह नियम आमतौर पर इस दूरी के भीतर नया हवाई अड्डा बनाने पर रोक लगाता है। संवाददाताओं से बातचीत के दौरान मंत्री ने कहा कि नागर विमानन मंत्रालय राज्यों को महानगरों में दूसरा हवाई अड्डा विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहा है, ताकि बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके।

अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे के बारे में नायडू ने कहा कि जांच अपने निर्धारित तरीके और उच्च पेशेवर मानकों के अनुसार जारी है, जिसमें कई देशों की भागीदारी शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि नोएडा में जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को सभी जरूरी लाइसेंसिंग अनुमोदन मिलने वाले हैं और सरकार का इसे इस महीने के अंत या फरवरी की शुरुआत में चालू करने का लक्ष्य है।

चंद्र ग्रहण के कारण तीन मार्च को तिरुमला मंदिर 10 घंटे से ज्यादा समय के लिए बंद रहेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/भाषा। चंद्र ग्रहण के कारण भगवान वेंकटेश्वर का तिरुमला मंदिर तीन मार्च को सुबह नौ बजे से शाम साढ़े सात बजे तक श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेगा। मंदिर प्रशासन ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ग्रहण के बाद 'शुद्धि' अनुष्ठान पूरे होने के बाद मंदिर श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोल दिया जायेगा और श्रद्धालु रात साढ़े आठ बजे फिर से दर्शन कर पायेंगे।'' इसमें कहा गया है, ''मंदिर 10 घंटे से ज़्यादा समय तक बंद रहेगा और शुद्धिकरण अनुष्ठान पूरा होने के बाद श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोल दिया जाएगा।'' चंद्र ग्रहण लगभग साढ़े तीन घंटे तक रहने की उम्मीद है, जो अपराह्न 3.20 बजे से शाम 6.47 बजे तक रहेगा। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने श्रद्धालुओं से चंद्र ग्रहण के मद्देनजर की गई व्यवस्थाओं में सहयोग करने का अनुरोध किया है।

तेलुगु भाषा जीवंत सभ्यता और आध्यात्मिक विरासत को दर्शाती है : मॉरीशस के राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुंटूर/भाषा। मॉरीशस के राष्ट्रपति धरम गोखूल ने रविवार को कहा कि तेलुगु महज एक भाषा नहीं,बल्कि गहरी आध्यात्मिक विरासत वाली एक जीवंत सभ्यता है। आन्ध्रप्रदेश के गुंटूर जिले में आयोजित तीसरे विश्व तेलुगु सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोखूल ने इसे विश्वभर के तेलुगु भाषी समुदायों को एकजुट करने वाला एक ऐतिहासिक आयोजन बताया।

सभा को संबोधित करते हुए गोखूल ने कहा, ''तेलुगु मात्र एक भाषा नहीं है; यह एक जीवंत सभ्यता का प्रतीक है और एक गहन आध्यात्मिक विरासत को समेटे हुए है।'' उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन 2026 की शुरुआत में हो रहा है, जो परंपरागत रूप से चिंतन और नवीनीकरण का प्रतीक है। उन्होंने इसे मॉरीशस में राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मनाए जाने वाले उगादी से जोड़ा। उन्होंने कहा कि तेलुगु एक क्षेत्रीय भाषा से विकसित होकर अब वैश्विक पहचान बना चुकी है और वर्तमान में 50 से अधिक देशों में बोली जाती है। उन्होंने इस कार्यक्रम में भाग ले रहे लगभग 50 देशों से आए प्रतिनिधियों का स्वागत भी किया। गोखूल तीन जनवरी को अपनी छह दिवसीय भारत यात्रा के तहत शनिवार को आंध्र प्रदेश पहुंचे।

अस्सी प्रतिशत से अधिक मनोरोगियों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी' (आईपीएस) ने भारत में मानसिक स्वास्थ्य उपचार अंतराल के लगातार बहुत अधिक बने रहने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि मनोरोग से पीड़ित लगभग 80-85 प्रतिशत लोगों को समय पर या उचित देखभाल नहीं मिल पाती है। इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी के 77वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (एएनसीआईपीएस 2026) के पूर्व एक कार्यक्रम के दौरान यह तथ्य उजागर किया। यह सम्मेलन 28 से 31 जनवरी तक दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित किया जाएगा।

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेताया है कि उपचार में प्रगति और बढ़ती जागरूकता के बावजूद, मानसिक बीमारी से पीड़ित अधिकांश लोग औपचारिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली से बाहर रह जाते हैं। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएमएचएस) के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में उपचार अंतराल सबसे व्यापक अंतरालों में से एक है, जहां सामान्य मानसिक विकारों से पीड़ित 85 प्रतिशत से अधिक लोग उपचार नहीं करवा रहे हैं या उपचार प्राप्त नहीं कर रहे हैं। वैश्विक संदर्भ में, मानसिक बीमारी से पीड़ित 70 प्रतिशत से अधिक लोगों को प्रशिक्षित स्वास्थ्य पेशेवरों से देखभाल नहीं मिल पाती है, और कम आय वाले कई देशों में जरूरतमंद लोगों में से 10 प्रतिशत से भी कम लोग वास्तव में आवश्यक उपचार प्राप्त कर पाते हैं।

भारत, अपनी विशाल जनसंख्या और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सीमित अवसंरचना के कारण इस चुनौती के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील बना हुआ है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईपीएस की अध्यक्ष डॉ. सविता मल्होत्रा ने इस बात पर जोर दिया कि मानसिक रोग की यदि शीघ्र पहचान और उचित प्रबंधन हो तो इसका आसानी से उपचार हो सकता है।।

उन्होंने कहा, ''मानसिक स्वास्थ्य विकार का आसानी से उपचार हो सकता है फिर भी भारत में अधिकांश मरीज चुपचाप पीड़ा सहते रहते हैं। 80 प्रतिशत से अधिक लोगों को समय पर मनोरोग संबंधी देखभाल न मिलना, लांछन, जागरूकता की कमी और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के अपर्याप्त एकीकरण को दर्शाता है।'' इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करने में लंबी देरी के पीछे कई परस्पर जुड़े कारणों को रेखांकित किया।

आयोजन समिति के अध्यक्ष और मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान(इहबास) के पूर्व निदेशक डॉ. निमेष जी. देसाई ने उपचार में देरी या उसके अभाव के गंभीर परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब मनोरोग संबंधी देखभाल में देरी होती है तो बीमारी अक्सर अधिक गंभीर और दीर्घकालिक हो जाती है, जिससे अधिक परेशानी, पारिवारिक संकट, उत्पादकता में कमी और आत्मविश्वास खोना और आत्महत्या का खतरा काफी बढ़ जाता है। देसाई ने कहा, मानसिक स्वास्थ्य को भी शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही गंभीरता और तत्परता से संबोधित किया जाना चाहिए। सामुदायिक सेवाओं को मजबूत करना, प्राथमिक देखभाल डॉक्टरों को प्रशिक्षित करना और रेफरल प्रणालियों में सुधार करना इस अस्वीकार्य उपचार अंतर को पाटने के लिए आवश्यक कदम हैं।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने 'पोंगल' त्योहार पर 3,000 रुपए के नकद उपहार की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार को फसल उत्सव पोंगल' के अवसर पर चावल श्रेणी के राशन कार्ड धारकों और श्रीलंकाई तमिलों के पुनर्वास शिविरों में रहने वाले सभी परिवारों को 3,000 रुपये का नकद उपहार देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पोंगल से पहले, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) केंद्रों के माध्यम से लाभार्थियों को एक उपहार का पैकेट वितरित किया जाएगा, जिसमें एक किलो चावल, एक किलो चीनी और एक गन्ना, 3000 रुपये नकद (प्रत्येक परिवार को जिसके पास चावल कार्ड है), एक धोती और एक साड़ी शामिल होगी।

कुछ दिन पहले राज्य सरकार ने कहा था कि पोंगल से पहले उपहार वितरण से 2.22 करोड़ से अधिक चावल कार्ड धारकों और श्रीलंकाई तमिलों के पुनर्वास शिविरों में रहने वाले लोगों को लाभ होगा।

स्टरलाइट कॉपर को 'ग्रीन कॉपर प्लांट' के लिए नया आवेदन दाखिल करने की छूट : मद्रास उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा है कि वेदांता की स्टरलाइट कॉपर' इकाई तमिलनाडु में प्रस्तावित 'ग्रीन कॉपर प्लांट' के संबंध में सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष नया आवेदन दाखिल कर सकती है।

वेदांता लिमिटेड की ओर से दायर एक रिट याचिका हाल ही में उच्च न्यायालय में सुनवाई के लिए आई, जिसमें तमिलनाडु सरकार को मूल प्रक्रिया में बदलाव कर 'ग्रीन कॉपर' पहल शुरू करने से जुड़े उसके 'अभ्यावेदनों'' पर निर्णय लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की खंडपीठ ने की। राज्य सरकार की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि पहले सहमति की शर्तों के उल्लंघन और अन्य खामियों के कारण उद्योग को बंद करने की कार्रवाई की गई थी और उस आदेश को ''उच्चतम न्यायालय'' तक चुनौती दी गई थी।

उन्होंने कहा कि ''यदि याचिकाकर्ता दोबारा संचालन शुरू करना चाहता है, तो उसे केवल मुख्य सचिव या अन्य विभागीय सचिवों को अभ्यावेदन देने के बजाय सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष उचित आवेदन दाखिल करना होगा।'' राज्य सरकार के वकील ने यह भी बताया कि इसी विषय से जुड़ी वर्ष 2019 में दायर की गई एक अन्य याचिका (फातिमा बनाम तमिलनाडु राज्य एवं अन्य) अभी न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय ने मौजूदा याचिका को 2019 की याचिका के साथ 29 जनवरी 2026 को सूचीबद्ध करने का निर्देश देते हुए कहा, इस याचिका के लंबित रहने से याचिकाकर्ता को सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष नया आवेदन दाखिल करने से नहीं रोका जाएगा और संबंधित प्राधिकारियों को उस पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता होगी।

उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता पी. आर. कोविलन ने कहा, इस आदेश से वेदांता के लिए 'ग्रीन कॉपर प्लांट' स्थापित करने की औपचारिक आवेदन प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। पर्यावरण पहलों का समर्थन करने वाले एक नागरिक समूह के सदस्य, वकील ने विश्वास व्यक्त किया कि वेदांता का ग्रीन कॉपर प्लांट' जब स्थापित हो जाएगा, तो यह साबित कर देगा कि औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता एक साथ मौजूद हो सकते हैं।

वेणुगोपाल ने कांग्रेस नेताओं से विधानसभा चुनाव से पहले स्वयं उम्मीदवारी घोषित न करने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नेताओं को आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी उम्मीदवारी की घोषणा स्वयं करने से बचना चाहिए। वेणुगोपाल यहां सुल्तान बाथरी में विधानसभा चुनावों की तैयारियों के तहत आयोजित दो दिवसीय 'नेतृत्व शिविर लक्ष्य 2026' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। वेणुगोपाल ने कहा, हमें अपनी उम्मीदवारी की घोषणा स्वयं नहीं करनी चाहिए। पार्टी के निर्णय की घोषणा का इंतजार करें। उन्होंने कहा कि नेताओं को पार्टी नेतृत्व के साथ चर्चा करने की स्वतंत्रता है।

वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को माकपा और भाजपा दोनों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वे उसके साझा प्रतिद्वंद्वी हैं। हालांकि, हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों से पता चला है कि कांग्रेस दोनों पार्टियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकती है। उन्होंने कहा, ''इस जीत ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को यह भरोसा दिलाया है कि अगर माकपा और भाजपा गठबंधन भी कर लें, तो हम उनका सामना कर सकते हैं।'' वेणुगोपाल ने कहा, ''जनता ही लोकतंत्र में सर्वोपरि है। हमें अगले चार महीनों में जनता के समक्ष विनम्रतापूर्वक अपनी राजनीतिक गतिविधियों को मजबूत करना चाहिए।'' वेणुगोपाल ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों के बाद मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन के लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के आत्मविश्वास को झटका लगा है। उन्होंने आरोप लगाया कि माकपा और भाजपा के बीच एक गुप्त गठबंधन है।

वयोवृद्ध द्रविड़ नेता एल गणेशन का निधन, स्टालिन और वाइको ने शोक जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ नेता एल गणेशन का रविवार को उम्र संबंधी बीमारियों के कारण तंजावुर स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे और उनके परिवार में उनकी पत्नी हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि गणेशन ने अपना जीवन द्रमुक एवं तमिल पहचान के लिए समर्पित कर दिया था।

द्रमुक अध्यक्ष ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए हिंदी थोपे जाने के खिलाफ ऐतिहासिक विरोध प्रदर्शनों के दौरान छात्र शक्ति के एक प्रमुख नेता के रूप में गणेशन की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने एक बयान में कहा, ''वह पार्टी की उच्च-स्तरीय कार्य समिति के सदस्य थे। यह जानकर मुझे पीड़ा हुई है कि अब हम उन्हें विधानसभा और संसद में नहीं देख पाएंगे।'' उन्होंने आगे कहा, ''द्रविड़ आंदोलन की विचारधारा के प्रति समर्पित, गणेशन ने लोगों का सम्मान अर्जित किया और राजनीतिक क्षेत्र में सेवा की। वह हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेंगे।''

मुख्यमंत्री ने अपने कैबिनेट सहयोगियों के एन नेहरू और अंबिल महेश के साथ तंजावुर स्थित उनके आवास पर दिवंगत आत्मा को अंतिम श्रद्धांजलि दी। एमडीएमके प्रमुख वाइको ने भी गणेशन के निधन पर दुख जताया। वाइको ने पार्टी के एक बयान में कहा कितंजावुर जिले के कन्ननथांगुडी कीझायुर में जन्मे, गणेशन का राजनीतिक सफर दिवंगत सी एन अन्नादुरई के नेतृत्व में शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि गणेशन ने विधायक, सांसद (राज्यसभा) और संसदीय सचिव के तौर पर भी शानदार काम किया था।

'वीबी-जी राम जी' योजना : कांग्रेस झूठ फैलाकर दिहाड़ी मजदूरों को गुमराह कर रही है : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस वीबी-जी राम जी के बारे में गलत जानकारी और दुष्प्रचार को बढ़ावा देकर राज्य में दिहाड़ी मजदूरों को गुमराह कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार पर इस योजना के बारे में जानबूझकर झूठ फैलाने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि मनरेगा को वीबी-जी राम जी में बदलने को विपक्षी पार्टियां राजनीतिक रंग दे रही हैं, जो साफ तौर पर उनकी छोटी सोच को दर्शाता है। विपक्ष इस योजना के पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन को बर्दाश्त न कर पाने की वजह से झूठी कहानियां और अफवाहें फैला रहा है।

उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत ग्रामीण मजदूरों को हर साल 100 दिनों के रोज़गार की गारंटी दी जाती थी।

अब इसे बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। इससे ग्रामीणों को बेहतर रोज़गार के अवसर मिल रहे हैं और आय सुरक्षा भी बढ़ी है। दिहाड़ी मज़दूरी बढ़ाकर 370 रुपए कर दी गई है, जिससे ग्रामीण मज़दूरों को बहुत फायदा हुआ है।

डर पैदा करने की कोशिश : आगे भी, ग्राम पंचायतें इस योजना को मुख्यत: लागू करने वाली एजेंसियां बनी रहेंगी। हालांकि केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस यह दावा करके लोगों में डर पैदा करने की कोशिश कर रही है कि केंद्र सरकार इस योजना को बंद कर देगी। उन्होंने कहा कि खेती-बाड़ी के कामों के दौरान किसानों की मदद के लिए हर साल 60 दिनों के रोज़गार का अतिरिक्त इंतज़ाम किया गया है। किसानों के लिए इतने अच्छे कदम उठाने के बावजूद, राज्य सरकार इस पहल का विरोध कर रही है और कृषि विरोधी नीतियां अपना रही है। उन्होंने कहा कि पहले मज़दूरों के नामों का इस्तेमाल कर मनरेगा का गलत फायदा उठाया जा रहा था। इसे रोकने के लिए बायोमेट्रिक टेक्नोलॉजी को अनिवार्य किया गया। गैर-ज़रूरी खर्च कम करने और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच लागत-बंटवारे का अनुपात 60 और 40 तय किया गया है।

लोगों की आजीविका मज़बूत होगी : प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार के प्रशासनिक नज़रिए से, और समय के साथ योजनाओं को लागू करने में पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए कुछ कार्यक्रमों में सुधार करना जरूरी होता है। इन बदलावों का मुख्य उद्देश्य कल्याणकारी उपायों और बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के ज़रिए लोगों की आजीविका को मज़बूत करना है।

मनरेगा को असल में एक मांग-संचालित योजना के तौर पर डिज़ाइन किया गया था। हालांकि समय के साथ इसे अनौपचारिक रूप से टारगेट-आधारित योजना में बदल दिया गया। इस योजना को सफलतापूर्वक लागू करने में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक मज़दूरी और सामग्री की लागत का समय पर भुगतान था।

प्रह्लाद जोशी ने ज़ोर देकर कहा कि नई पुनर्गठित योजना और केंद्रीकृत भुगतान प्रणाली शुरू होने के कारण पहले की सभी समस्याओं पर विराम लग गया है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 'एरोनॉटिक्स 2047' का हुआ आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) की दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 'एरोनॉटिक्स 2047' का आगाज रविवार को यहां सेंटर फॉर एयरबोर्न सिस्टम्स (सीएबीएस) में हुआ। इसका उद्घाटन एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने किया। उन्होंने एयरक्राफ्ट तेजस की उड़ान के 25 साल पूरे होने पर बधाई दी और लगातार बदलते समय में वायुसेना को ऑपरेशनल रूप से तैयार रखने के लिए डिलीवरी टाइमलाइन का पालन करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

एपी सिंह ने कहा कि तेजी से बदलते सुरक्षा परिवेश में भारतीय वायु सेना को परिचालन की दृष्टि से तैयार रखने के लिए वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) को आपूर्ति समयसीमा का सख्ती से पालन करना चाहिए।

रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के प्रमुख डॉ. समीर वी. कामत ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिए अत्याधुनिक स्वदेशी टेक्नोलॉजी विकसित करने के महत्त्व पर ज़ोर दिया, जिससे 'विकसित भारत 2047' के विज़न को साकार किया जा सके। इस सेमिनार में डोमेन विशेषज्ञ, इंडस्ट्रियल विशेषज्ञ, शोधकर्ता, एविएशन में रुचि रखने वाले लोग और एयरोस्पेस कम्युनिटी के वक्ता एकसाथ आए, ताकि वे एयरोनॉटिक्स के विकास, डिज़ाइन इनोवेशन, मैन्युफैक्चरिंग और भविष्य की संभावनाओं पर अपनी राय साझा कर सकें। 'एयरोनॉटिक्स-2047' का फोकस आधुनिक एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी के अलग-अलग पहलुओं को एक्सप्लोर करना है, जिसमें अगली पीढ़ी के एयरक्राफ्ट के लिए मैन्युफैक्चरिंग और असेंबली, डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग, अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के लिए एयरोडायनामिक्स, प्रोपल्शन टेक्नोलॉजी, फ्लाइट टेस्टिंग तकनीक, डिजिटल ट्विन टेक्नोलॉजी, सर्टिफिकेशन चुनौतियां, फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम और एवियोनिक्स, फाइटर एयरक्राफ्ट के रखरखाव की चुनौतियां, एयरक्राफ्ट डिजाइन में एआई और एक्चुएटर्स के लिए सटीक मैन्युफैक्चरिंग शामिल हैं।

सेमिनार में भारतीय अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी के भविष्य और तेजस की स्केच से स्क्वाड्रन तक की यात्रा को शामिल किया जाएगा।

दलित महिला की हत्या, आरोपी का शव जंगल में मिला, हिंदुत्व संगठनों का बंद का आह्वान

कारवार। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के येल्लापुर कस्बे में 30 वर्षीय दलित महिला की सड़क पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि यह हत्या उसके परिचित व्यक्ति ने की। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) दीपन एमएन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आरोपी रफीक इमामसाब का शव रविवार को येल्लापुर के पास जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ मिला। इस घटना से कस्बे में सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया है और कई हिंदू संगठनों ने रविवार को येल्लापुर में बंद का आह्वान किया है। उन्होंने महिला की हत्या को लव जिहाद' का मामला बताया है। मृतका की पहचान येल्लापुर के कलम्मा नगर निवासी 30 वर्षीय रंजीता भानसोड के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, उसी इलाके का रहने वाला रफीक महिला की हत्या का मुख्य आरोपी था। पुलिस ने बताया कि रफीक और रंजीता स्कूल के दिनों से दोस्त थे। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी महिला पर शादी का दबाव डाल रहा था। जब महिला ने इससे इनकार किया, तो उसने सरे आम कथित तौर पर चाकू से महिला पर हमला कर दिया।'' यह घटना शनिवार दोपहर को हुई, जब रंजीता अपने कार्यस्थल से घर लौट रही थी। पुलिस ने बताया कि रंजीता ने लगभग 12 साल पहले महाराष्ट्र के सोलापुर के सचिन कटेरा से शादी की थी और उनका 10 साल का बेटा है। पुलिस ने बताया कि वह अपने पति से अलग, येल्लापुर में अपने परिवार के साथ रह रही थी, जहां वह एक सरकारी स्कूल में मध्याह्न भोजन सहायिका के रूप में काम करती थी।

आधारशिला — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

क्षेत्रीय रेल और सड़क बुनियादी ढांचे को महत्वपूर्ण बढ़ावा देने के लिए, माननीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने रविवार को गुंडा रोड-कोट्टूरू खंड के बीच हगारीबोम्मनहल्ली में लेवल क्रॉसिंग नंबर 35 के स्थान पर एक रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) की आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम में बल्लारी के सांसद ई. तुकाराम; विधायक के. नेमराज नाइक, सीएओ निर्माण अजय शर्मा सहित अनेक उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

कला राज्य की संस्कृति का आईना है : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कला राज्य की संस्कृति का आईना है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि चित्रसंथे ने कलाकारों और कला प्रेमियों के लिए एक मंच दिया है। वह रविवारको यहांकुमार कृपा रोड पर कर्नाटक चित्र कला परिषद परिसर में कर्नाटक चित्र कला परिषद द्वारा आयोजित 23वें चित्र संथे कार्यक्रम के उद्घाटन पर बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह मुख्यमंत्री के तौर पर 8वीं बार चित्र संथे में भाग ले रहे हैं, और कहा कि चित्र संथे साठ सालों से कलाकारों को प्रोत्साहित करने, उनकी फिल्मों की प्रदर्शनी और उनकी बिक्री के लिए एक मंच बनाने के लिए काम कर रहा है। चित्रसंथे अपने 23वें साल में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि लगभग 22 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों ने कार्यक्रम में भाग लिया है।

पर्यावरण की सुरक्षा आज की ज़रूरत है : उन्होंने कहा कि हर ज़िले में कलाकारों के म्यूज़ियम की मांग है और सरकार इसे पॉज़िटिव तरीके से मानेगी। इस साल के चित्र संथे की थीम पर्यावरण को डेडिकेटेड है। अगर हम पर्यावरण की रक्षा करेंगे, तो यह हमारी रक्षा करेगा। इसके लिए पर्यावरण के बारे में जानकारी ज़रूरी है। सरकार ने इस बारे में कई प्रोग्राम किए हैं। बेंगलूरु समेत देश की कई राजधानियों में पर्यावरण प्रदूषण बढ़ा है और दिल्ली में रहने लायक माहौल नहीं बन रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा आज की ज़रूरत है।

पेड़ लगाने के लिए सच्ची कोशिश की जाएगी : सरकार ने हर साल तीन से पांच करोड़ पौधे लगाने का प्रोग्राम किया है। किसी भी इलाके में 30 परसेंट जंगल होना चाहिए। हमारे पास 20 परसेंट जंगल एरिया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि इसे बढ़ाने के लिए सच्ची कोशिश की जाएगी। जनता को थिमक्का जैसे पेड़ लगाने चाहिए, जो पेड़ों से लदी हुई पेड़ हैं। उन्हें अवॉर्ड इसलिए मिले क्योंकि उन्होंने पेड़ों की वैसे ही देखभाल की जैसे बच्चों की करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनकी आत्मा को शांति चाहिए, तो हम सभी को पेड़ लगाने की कोशिश करनी चाहिए। हममें से कई लोग हैं जिन्होंने पर्यावरण बचाने की लड़ाई लड़ी है। पेड़ लगाने में ज़्यादा खर्च नहीं होता। बस मन बनाना होता है। उन्होंने कहा कि सरकार भी इस दिशा में ज़्यादा दिलचस्पी लेगी। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री एम.सी. सुधाकर, चित्रकला परिषद के अध्यक्ष बी.एल. शंकर सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बैटरी ओपन कार से चित्र संते का दौरा किया। इस दौरान उन्हें अनेक कलाकारों ने चित्र भेंट किए।

चित्र संथे ने कलाकारों और कला प्रेमियों के लिए एक मंच दिया है

मुलाकात — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बेंगलूरु में रविवार को आरटीनगर स्थित अपने निवास स्थान पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद बसवराज बोम्मई केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का स्वागत करते हुए।

जब महिला नेतृत्व संभालती है, तब उद्योग केवल व्यापार नहीं, समाज परिवर्तन का माध्यम बन जाता है : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जोधपुर जिला प्रशासन, लघु उद्योग भारती, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र तथा उद्यम प्रोत्साहन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव2026 के अंतर्गत रविवार को प्रदेश स्तरीय महिला उद्यमी सम्मेलन का गरिमामय आयोजन किया गया। सम्मेलन की मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी रहीं। उन्होंने सम्मेलन को महिला नेतृत्व, स्वावलंबन और औद्योगिक सशक्तिकरण की दिशा में निर्णायक कदम बताते हुए कहा कि जब उद्यमिता की कमान महिलाओं के हाथ में होती है, तब अर्थव्यवस्था के साथसाथ समाज भी सशक्त होता है।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जोधपुर की गौरवशाली धरती पर आयोजित इस सम्मेलन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण में लघु, कुटीर एवं हस्तशिल्प उद्योगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्यावरणसंरक्षण, स्वदेशी को बढ़ावा और स्थानीय कलाकारोंव्यापारियों को मंच देने वाले ऐसे आयोजनों से टिकाऊ औद्योगिक वातावरण विकसित होता है। उन्होंने महिला उद्यमियों को वित्तीय संस्थाओं से जोड़कर ऋण उपलब्ध कराने, उत्पादों के विपणन, हस्तशिल्प प्रदर्शनियों, संसाधन उपलब्धता, प्रशिक्षण, नई तकनीकों और योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक बनाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारीसफलता की गारंटी है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना में महिला नेतृत्व निर्णायक है। राजस्थान केवल भौगोलिक प्रदेश नहीं, बल्कि विचार, संस्कृति और उद्यमशीलता की परंपरा है, जहाँ हर जिलेगाँव का कोई न कोई उत्पाद महिलाओं के परिश्रम और सपनों से जुड़ा है। उन्होंने रेखांकित किया कि आज की नारी सहायक नहीं, बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में खड़ी हैजो परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए अवसर सृजित करती है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, पीएम विश्वकर्मा योजना और स्वयं सहायता समूह जैसी पहलों ने महिलाओं को आर्थिक प्रगति की मुख्यधारा में लाया है। वहीं राजस्थान में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नीतिस्थिरता, प्रशासनिक पारदर्शिता और उद्योगअनुकूल वातावरण तेज़ी से विकसित हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राईजिंग राजस्थान निवेश, नवाचार और महिला नेतृत्व के लिए तैयार राज्य का संदेश है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता महिलाओं को सरल ऋण सुविधा, कौशल विकास, प्रशिक्षण, सुरक्षास्वास्थ्य, डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना और उनके उत्पादों को 'लोकल टू ग्लोबल' पहुँच दिलाना है। उन्होंने महिला उद्यमियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप कमजोर नहीं, संभावनाओं से भरी हैं। आपका आत्मविश्वास राजस्थान की पहचान और आपका परिश्रम भारत की शक्ति है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाला समय महिला उद्यमिता का स्वर्ण युग होगा और राजस्थान पर्यटनसंस्कृति के साथसाथ उद्योग और महिला नेतृत्व में भी देश का अग्रणी राज्य बनेगा।

5 वर्ष में 4 लाख युवाओं को देंगे सरकारी नौकरी : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य एवं महंत श्री अर्जुनदास जी महाराज के पावन सानिध्य में जोधपुर के श्री गुलाबदासजी मन्दिर पालासनी में शनिवार को क्षत्रिय सरगरा समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

पटेल ने कहा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवा वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने 5 वर्ष 4 लाख सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य रखा है। 2 वर्ष के कार्यकाल में लगभग 1 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है।

पटेल ने कहा इस माह 20 हजार पदों पर नियुक्ति दी जाएगी और लगभग 1 लाख 23 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। आगामी भर्ती परीक्षाओं के लिए आरपीएससी द्वारा कैलेंडर जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 2 वर्ष में निजी क्षेत्र में लगभग 2.50 लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए गए हैं।

पटेल ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज और राष्ट्र का उत्थान एवं विकास संभव है। उन्होंने नशामुक्त समाज की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि नशा युवाओं के भविष्य और समाज की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा है।

उन्होंने कहा कि सरगरा समाज की मांग के अनुरूप गजट में त्रुटि को सुधारा जाएगा।

मुझे डोटासरा से कोई सर्टिफिकेट लेने की जरूरत नहीं : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान पर पलटवार करते हुए रविवार को कहा कि उन्हें कांग्रेस नेता से ''सर्टिफिकेट लेने की जरूरत नहीं है।''

शनिवार को आयोजित भाजपा की एक संगठनात्मक कार्यशाला में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के शामिल नहीं होने पर तंज कसते हुए डोटासरा ने कहा था, ''राठौड़ क्यों नाराज हैं और वह बैठक में क्यों नहीं आए।''

डोटासरा ने यह भी दावा किया कि भाजपा के भीतर ''भारी खींचतान है, संगठन के अंदर दूरियां हैं और मदन राठौड़ कुछ नहीं कर पा रहे हैं।''

कांग्रेस नेता के बयान पर पलटवार करते हुए राठौड़ ने जयपुर स्थित 'कॉन्स्टिट्यूशन क्लब' में संवाददाताओं से कहा, ''मैं क्या कर रहा हूं और क्या नहीं, यह उन्हें (डोटासरा) नहीं देखना है। मेरा संगठन देखेगा। आप लोग (मीडिया) देख रहे हैं, मैं क्या कर रहा हूं, वही पर्याप्त है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे गोविंद सिंह डोटासरा से कोई सर्टिफिकेट नहीं लेना है। उनसे तो उनका घर ही नहीं संभल रहा है।... वे अपना घर संभालें, मैं अपना घर संभाल रहा हूं।''

कार्यकर्ता की आवाज बुलंद रहे, उसकी उपेक्षा बर्दाश्त नहीं : वसुंधरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाए जाने का आह्वान करते हुए शनिवार को कहा कि कार्यकर्ता की आवाज बुलंद रहनी चाहिए और उसकी उपेक्षा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वह यहां भाजपा की प्रदेश संगठनात्मक कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं।

राजे ने कहा कि भाजपा बिना कार्यकर्ता के प्राणहीन है, इसलिए आवश्यक है कि कार्यकर्ता को सशक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि गांवों में बूथ अध्यक्ष, मंडलों में मंडल अध्यक्ष और जिलों में जिला अध्यक्ष पार्टी के 'एंबेसडर' हैं।

उन्होंने कहा, ''इनके हस्ताक्षर से जनता के काम होने चाहिए। उनकी एक घंटी में अधिकारी फोन उठाएं और काम करें, अन्यथा परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें।'' एक प्रवक्ता के अनुसार राजे ने कहा कि कार्यकर्ता की आवाज ही ''प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की आवाज है।'' उन्होंने कहा, ''कार्यकर्ता की आवाज बुलंद रहनी चाहिए और उसकी उपेक्षा हरगिज बर्दाश्त नहीं की जाएगी।''

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब देश की दसों दिशाओं में कांग्रेस का वर्चस्व था, लेकिन आज जिस ओर नजर डालिए वहां भाजपा दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि यह कार्यकर्ताओं की तपस्या का परिणाम है, जिन्होंने न भूख देखी न प्यास और ''निरंतर कमल (भाजपा का चुनाव चि) खिलाने'' में जुटे रहे।

बाड़मेर-बालोतरा सीमा का पुनर्गठन 'तुगलकी आदेश' : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भाजपा सरकार द्वारा शनिवार देर रात किए गए बाड़मेर और बालोतरा जिलों की सीमाओं के पुनर्गठन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने रविवार को इस कदम को 'तुगलकी आदेश' करार देते हुए कहा कि यह जल्दबाजी में लिया गया निर्णय है जो जनहित के खिलाफ है।

गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बायतू को बाड़मेर जिले में और गुड़ामालानीधोरीमन्ना को बालोतरा में शामिल करने का निर्णय प्रशासनिक दृष्टि से कतई तर्क संगत नहीं है। इससे गुड़ामालानी क्षेत्र की जनता के लिए जिला मुख्यालय की दूरी कम होने के बजाय और बढ़ गई है।'' गहलोत ने कहा, यह आम जनता के साथ घोर अन्याय है। स्पष्ट है कि यह निर्णय जनसुविधा के लिए नहीं बल्कि आगामी परिसीमन और सियासी समीकरणों को साधने के लिए लिया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने की मंशा से नए जिले बनाए थे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदा सरकार जनभावनाओं को दरकिनार कर केवल ''सियासी रोटियां'' सेकने में व्यस्त है। उन्होंने इस कदम की कड़े शब्दों में निंदा की।

एक भैंस और उसके पाड़े पर दो लोगों ने दावा किया, चिकित्सा रिपोर्ट से सुलझा विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा (राजस्थान)/भाषा। कोटा में अधिकारियों को एक अनोखी स्थिति का सामना करना पड़ा जब दो व्यक्तियों ने एक ही भैंस और उसके पाड़े (भैंस का बच्चा) पर अपना दावा जताया, और स्थिति का समाधान तब हो सका जब एक चिकित्सा बोर्ड का गठन किया गया और मवेशियों को जांच के लिए पशु चिकित्सालय ले जाया गया।

पुलिस के अनुसार, नारायण विहार निवासी राम लाल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी भैंस और पाड़ा लगभग एक महीने पहले गायब हो गए थे। वे लगातार उनकी तलाश कर रहे थे तभी दो दिन पहले उन्होंने जानवरों को उसी इलाके के रामचंद्रपुरा मार्गिया बस्ती में इंद्रजीत केवट के बाड़े में बंधा हुआ देखा।

लाल ने तुरंत केवट से संपर्क किया और दावा किया कि वे मवेशी उसके हैं।

इंद्रजीत ने हालांकि इस दावे का खंडन करते हुए कहा कि उसने भैंस को दो साल पहले बाड़ी गांव से खरीदा था और मवेशी की उम्र लगभग सात साल है।

विवाद बढ़ने के बाद दोनों पक्ष शनिवार को कुन्हाड़ी पुलिस थाने पहुंचे।

कुन्हाड़ी की वृत्ताधिकारी कौशल्या ने रविवार को बताया, ''प्रारंभिक जांच में दोनों पक्षों ने अपने-अपने तर्क प्रस्तुत किए और स्वामित्व साबित करने का प्रयास किया। राम लाल का दावा था कि भैंस लगभग चार से पांच वर्ष की थी और उसने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया था, जबकि इंद्रजीत का कहना था कि मवेशी लगभग सात वर्ष का है।'' उन्होंने कहा कि चूंकि विवाद आपसी सहमति से हल नहीं हो सका, इसलिए पुलिस ने पशु चिकित्सक की राय लेने का निर्णय लिया। पशु चिकित्सा समिति का गठन किया गया और भैंस को जांच के लिए कोटा के मोखापाड़ा क्षेत्र में स्थित एक सरकारी पशु चिकित्सालय ले जाया गया। उन्होंने बताया कि जानवरों के दांतों और शारीरिक स्थिति की जांच करने के बाद, पशु चिकित्सकों ने निष्कर्ष निकाला कि भैंस की उम्र लगभग चार से पांच वर्ष थी, न कि सात वर्ष जैसा कि इंद्रजीत ने दावा किया था।

कौशल्या ने बताया कि चिकित्सा रिपोर्ट और सहायक सबूतों के आधार पर पुलिस ने लाल के दावे की पुष्टि की तथा शनिवार देर शाम भैंस और उसके पाड़े को लाल को सौंप दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि दूसरे दावेदार, इंद्रजीत हालांकि इस फैसले से संतुष्ट नहीं थे, जिसके बाद उनसे सबूत पेश करने को कहा गया, लेकिन वह ऐसा करने में विफल रहे।

राजस्थान की मिट्टी में निवेश करने से आत्मसंतुष्टि की अनुभूति : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री जनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों की आवश्यकताओं और सुविधाओं को केंद्र में रखते हुए नीतियों का निर्माण कर रही है। इसी कड़ी में राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी, राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी, राजस्थान एआई एमएल पॉलिसी जैसी प्रमुख नीतियां लाई गई है। ये नीतियां राजस्थान को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में हब बनाएगी।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 में आमंत्रित कंपनियों के प्रतिनिधिमंडल से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग निवेशकों का राजस्थान में विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यहां की अनमोल मिट्टी में निवेश करने से आत्मसंतुष्टि की अनुभूति भी होती है।

राजस्थान को तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनाएंगे

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में राजस्थान आएं, राज्य सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। हम सब मिलकर राजस्थान को तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निवेशकों के साथ निरंतर संपर्क स्थापित करते हुए उनके सुझाव और आवश्यकताओं पर त्वरित कार्य करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने राजीविका की महिलाओं को स्टार्टअप्स से जोड़ने के निर्देश भी दिए।

प्रदेश में 7 हजार से अधिक आई स्टार्टअप

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रदेश में अनुकूल औद्योगिक वातावरण का निर्माण हो रहा है। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, राजस्थान डेटा सेंटर, राजस्थान एआई एमएल नीतियों के साथ 7 हजार से अधिक आई स्टार्टअप्स का तंत्र प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं का मजबूत नेटवर्क स्थापित कर रहा है।

प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर

कंपनियों के प्रतिनिधियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मेडिकल साइंस, ग्रीन इन्वेस्टमेंट, स्टार्टअप्स, मेन्युफैक्चरिंग, डेटा, स्किल डवलपमेंट, लॉजिस्टिक्स आदि क्षेत्रों के संबंध में सुझाव प्रस्तुत किए।

दिव्यांगजनों को एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की सुविधाएं होंगी प्राप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने अलवर में रविवार को राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय परिसर में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) का लोकार्पण कर शुभारंभ किया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। साथ ही सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के हित में संचालित योजनाओं का लाभ प्रदान कर लाभांवित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांग सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र से दिव्यांगजनों को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं एक साथ प्राप्त होंगी, जिससे उनका जीवन आसान एवं सम्मृद्ध होगा और सशक्त दिव्यांग समाज की अवधारणा पूरी होगी।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकलांग शब्द के स्थान पर सम्मान सूचक दिव्यांग शब्द का उपयोग कर सभी दिव्यांगजनों में आत्मसम्मान का भाव पैदा किया है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार दिव्यांग कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के साथ ही उन्होंने भी विधायक निधि कोष से स्कूटी दिव्यांगजनों को उपलब्ध कराई है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण एवं उनके कल्याण में सदैव सहयोग करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांग विराट को सीपी चेयर, विहान को हियरिंग एड एवं राहुल को एमआर किट प्रदान की। इसके उपरान्त संजय शर्मा ने जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, सेरिब्रल पाल्सी कक्षों सहित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

राजस्थान मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के लाभार्थी देश के अन्य हिस्सों में भी करा सकेंगे मुफ्त इलाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान में लागू 'मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (एमएए) योजना' के लाभार्थी अब दूसरे राज्यों में भी नि:शुल्क उपचार की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। चिकित्सा विभाग ने बताया कि इस योजना में देश के 30 हजार से अधिक अस्पताल शामिल किये गए हैं जिससे प्रदेश के नागरिकों को दूसरे राज्यों में स्थित देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सकेगा।

विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना लाभार्थियों के लिए 19 दिसंबर से दूसरे राज्यों में भी नि:शुल्क इलाज कराने की सुविधा की शुरुआत की गई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया, ''अब तक गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए कई मरीजों को गुजरात, दिल्ली जैसे अन्य राज्यों में जाकर इलाज कराना पड़ता था, जहां उन्हें इलाज का खर्च निजी तौर पर वहन करना पड़ता था। इसके मद्देनजर सरकार ने 'आउटबाउंड पोर्टिबिलिटी' व्यस्था लागू की है। इस नई व्यवस्था के तहत अब राजस्थान के पात्र परिवार प्रदेश के बाहर भी पैनल में शामिल अस्पतालों में नकद रहित इलाज प्राप्त कर सकेंगे।''

शिक्षा विभाग ने छात्रों की मदद के लिए मोबाइल ऐप लॉन्च किया

जयपुर/भाषा। राजस्थान सरकार ने छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए शनिवार को 'माय करियर एडवाइजर' मोबाइल एप्लिकेशन को लॉन्च किया। शिक्षा विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, आधुनिक, कृत्रिम मेधा आधारित करियर जागरूकता एवं मार्गदर्शन के लिए लॉन्च किया गया यह मोबाइल एप्लिकेशन कक्षा 9 से 12वीं के विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों, अभिभावकों और परामर्शदाताओं के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

विज्ञप्ति के मुताबिक इस ऐप को शिक्षा विभाग ने विकसित किया है और जिसमें विद्यार्थियों को उनकी रुचि, योग्यता और कौशल के आधार पर व्यक्तिगत करियर सलाह मिलेगी। एक अधिकारी ने बताया कि ऐप पर विद्यार्थी तीन प्रमुख मूल्यांकनों के माध्यम से खुद की समीक्षा भी कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि ऐप में डिग्री और गैर डिग्री धारकों के लिए करियर के विकल्प भी उपलब्ध होंगे।

लालकिला विस्फोट : आरोपियों ने अपने आकाओं से संपर्क करने के लिए 'घोस्ट' सिम कार्ड का इस्तेमाल किया

श्रीनगर/नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के लाल किला के पास पिछले साल 10 नवंबर को हुए धमाके से जुड़े 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल की जांच में पता चला है कि उच्च शिक्षा प्राप्त चिकित्सकों ने पाकिस्तानी आकाओं से बात करने के लिए घोस्ट' सिम कार्ड और एन्क्रिप्टेड ऐप के जटिल नेटवर्क इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने रविवार को यह दावा किया। 'घोस्ट सिम कार्ड' ऐसा सिम कार्ड होता है, जो किसी वास्तविक और सत्यापित पहचान से जुड़ा नहीं होता। इसका इस्तेमाल लोग अपनी पहचान छिपाने के लिए करते हैं। जांच के नतीजों के आधार पर ही परोक्ष तौर पर दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने पिछले वर्ष 28 नवंबर को एक व्यापक निर्देश जारी किया था। इस निर्देश के तहत व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसी ऐप-आधारित संचार सेवाओं को अनिवार्य रूप से उपकरण में मौजूद सक्रिय और भौतिक सिम कार्ड से लगातार जुड़े रहना होगा।

अधिकारियों ने बताया कि 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल और धमाके की जांच में यह सामने आया कि गिरफ्तार चिकित्सकों मुजम्मिल गनई, अदील राथर और अन्य ने सुरक्षा एजेंसियों से बचने के लिए एक रणनीतिक 'डुअल-फोन' प्रोटोकॉल के तहत 'घोस्ट' सिम कार्ड का इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया कि लालकिले के पास विस्फोटकों से लदा वाहन चलाते समय हुए धमाके में मारे गये डॉ. उमर-उन-नबी सहित प्रत्येक आरोपी के पास दो से तीन मोबाइल हैंडसेट थे।

आरोपियों के पास संदेह से बचने के लिए अलग-अलग फोन थे। इनमें से एक उनके नाम से पंजीकृत होता था, जिसका इस्तेमाल वे नियमित व्यक्तिगत और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए करते थे, जबकि दूसरे फोन का उपयोग आतंकी गतिविधियों में करते थे। वे दूसरे फोन का इस्तेमाल पाकिस्तान में अपने आकाओं (जिन्हें 'उकासा', 'फैजान' और 'हाशमी' कोडनाम से पहचाना जाता था) से व्हाट्सऐप और टेलीग्राम के माध्यम से बातचीत करने में करते थे। अधिकारियों ने बताया कि दूसरे फोन के लिए जारी किए गए सिम कार्ड गैर संदिग्ध नागरिकों के नाम पर थे, जिनके आधार कार्ड की जानकारी का दुरुपयोग किया गया था। उन्होंने बताया कि जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक अलग रैकेट का भी पर्दाफाश किया है, जिसमें फर्जी आधार कार्ड का उपयोग करके सिम जारी किए जा रहे थे।

ममता बनर्जी सागर द्वीप को मुख्य भूभाग से जोड़ने वाले पुल की आधारशिला रखेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगासागर/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मूरीगंगा नदी पर बनने वाले एक पुल की सोमवार को आधारशिला रखेंगी। यह पुल मुख्य भूभाग को सागर द्वीप से जोड़ेगा, जहां हर वर्ष गंगासागर मेला आयोजित होता है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2,500 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह पुल कपिल मुनि मंदिर की तीर्थयात्रा में बड़ा बदलाव लाएगा। पुल के निर्माण का ठेका एक निजी कंपनी को दिया गया है और इसके दो साल में पूरा होने की उम्मीद है। यह मंदिर गंगा नदी और बंगाल की खाड़ी के संगम पर स्थित सागर द्वीप में है। सागर द्वीप पर हर साल गंगासागर मेला आयोजित होता है।

मुख्यमंत्री केंद्र सरकार से इस वार्षिक मेले को राष्ट्रीय मेला घोषित करने की मांग करती रही हैं। इस मेले में देश भर से और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों से भी लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री के कपिल मुनि मंदिर और भारत सेवाश्रम संघ की यात्रा करने की भी संभावना है। अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री मकर संक्रांति के दौरान मेले की तैयारियों का जायजा भी लेंगी। मकर संक्रांति के दौरान भारी भीड़ से बचने के लिए कई तीर्थयात्रियों ने पहले ही मंदिर में दर्शन करना शुरू कर दिया है। अधिकारी ने कहा कि प्रशासन ने पश्चिम बंगाल में होने वाले इस सबसे बड़े मेले के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक बुनियादी ढांचागत और सुरक्षा उपाय किए हैं।

देवघर में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए

देवघर/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक बाबा बैद्यनाथ धाम में पूजा-अर्चना की। कुमार के आगमन पर मंदिर के पुजारियों ने मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान किए, जिसके बाद उन्होंने 12 ज्योतिर्लिंग का अभिषेक किया। इससे पहले देवघर पहुंचने पर जिला पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पत्रकारों से बात करते हुए कुमार ने कहा कि वह देश और राज्य की समृद्धि के लिए प्रार्थना करने अपने परिवार के साथ झारखंड आए हैं।

झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रवि कुमार द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, कुमार दिन में बाद नौलखा मंदिर और देवघर एम्स में भी जायेंगे। सोमवार को, वह दुमका में बासुकी नाथ मंदिर में पूजा करेंगे और दिल्ली लौटने से पहले बूथ-लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से भी मिलेंगे।

पिछले साढ़े 11 वर्षों में भारत में पनपी नई खेल संस्कृति : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि पिछले साढ़े 11 वर्षों में हर भारतवासी ने देश के भीतर एक नई 'खेल संस्कृति' को पनपते देखा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'खेलो इंडिया' अभियान के माध्यम से प्रत्येक भारतीय के मन में खेल के प्रति सम्मान का भाव पैदा किया है। मुख्यमंत्री ने यहां 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप के उद्घाटन अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान में गांव से लेकर शहर तक, ग्रामीण स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक की प्रतियोगिताएं एक आम नागरिक की भागीदारी से आयोजित हो रही हैं और इसी क्रम में 43 वर्षों बाद राज्य में सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में खेलों की आधुनिक बुनियादी संरचना का विकास हुआ है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''पिछले साढ़े 11 वर्षों में पूरे देश ने भारत के समग्र विकास को देखा है। इस दौरान हर भारतवासी ने एक नई खेल संस्कृति को देश के अंदर पनपते देखा है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में खेलो इंडिया' अभियान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक के मन में खेल के प्रति सम्मान का भाव जागृत किया।'' उन्होंने कहा कि इस खेल संस्कृति का सार यह है कि हर भारतीय के जीवन में खेल को भी स्थान मिले और खेल को अब समय की बर्बादी नहीं, बल्कि जीवन के सर्वांगीण विकास के माध्यम के रूप में देखा जाए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि स्वस्थ शरीर से ही जीवन के सभी आयाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, ''आज इस नई खेल संस्कृति के तहत खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया मूवमेंट', सांसद खेलकूद प्रतियोगिता तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से हर जनपद में खेल बुनियादी ढांचे विकसित हो रहे और इनके जरिए पूरा देश एक नई खेल संस्कृति का अनुभव कर रहा है।'' योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत कई प्रतियोगिताएं भारतीय खेल प्राधिकरण के सान्निध्य में और उसके प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में आयोजित की जाएंगी। आदित्यनाथ ने कहा कि खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण देने के लिए हर जनपद में स्टेडियम, हर विकासखंड स्तर पर मिनी स्टेडियम का निर्माण, ग्राम पंचायतों और नगर निकायों की प्राथमिकता में ओपन जिम' की स्थापना तथा हर स्तर पर खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रयास शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा, ''आज इसका परिणाम यह है कि ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेलों और अंतरराष्ट्रीय विश्व चैंपियनशिप जैसी प्रतियोगिताओं में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी बड़ी संख्या में हिस्सा ले रहे हैं और देश के लिए पहले की तुलना में कई गुना अधिक पदक भी जीत रहे हैं।''

राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप के दौरान 'हाई' रहेगा बनारस का जोश : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को विश्वास जताया कि राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप के दौरान बनारस का जोश 'हाई' रहेगा। मोदी ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में आयोजित 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वालीबॉल चैंपियनशिप का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा, ''आज से काशी में राष्ट्रीय वालीबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ हो रहा है। आप सभी खिलाड़ी बहुत कड़ी मेहनत के बाद इस राष्ट्रीय टूर्नामेंट तक पहुंचे हैं। आपने जो मेहनत की है आने वाले दिनों में काशी के मैदान पर उसकी परीक्षा होगी। ''

उन्होंने कहा, वैसे मुझे बताया गया है कि देश के 28 राज्यों की टीम यहां आई हैं। यानी आप सब एक भारत श्रेष्ठ भारत' की बहुत सुंदर तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं इस चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहे सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। साथियों आप बनारस आ गए हैं तो उसे जान भी जाएंगे। बनारस खेल प्रेमियों का शहर है। कुश्ती, कुश्ती के अखाड़े, मुक्केबाजी, नौका दौड़, कबड्डी.... ऐसे कई खेल यहां बहुत मशहूर हैं। बनारस में कई खेलों के राष्ट्रीय खिलाड़ी भी दिए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी और काशी विद्यापीठ जैसे शिक्षण संस्थानों के खिलाड़ी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर छाए रहे हैं और काशी तो हजारों वर्षों से उन सभी का सत्कार करती आई है जो ज्ञान और कल की साधना के लिए यहां आते हैं। इसलिए मुझे विश्वास है कि राष्ट्रीय वालीबॉल चैंपियनशिप के दौरान बनारस का 'जोश हाई' हो जाएगा। आप सभी खिलाड़ियों को उत्साह बढ़ाने वाले दर्शक भी मिलेंगे और काशी की आतिथ्य परंपरा को जीने का अवसर भी मिलेगा।

वाराणसी में पड़ रही सर्दी और स्थानीय व्यंजनों की ओर इशारा करते हुए मोदी ने कहा, अभी वाराणसी में काफी ठंड है, और इस मौसम में खाने की कई तरह की स्वादिष्ट चीजें मिलती हैं। अगर आपको मौका मिले, तो 'मलाइयो' (एक स्थानीय मीठी डिश) का स्वाद जरूर लें। साथ ही, बाबा विश्वनाथ मंदिर जाना और गंगा नदी में नाव की सवारी करना न भूलें।

लड्डू — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रविवार को अहमदाबाद में हज़रत इसरार अली शाह सानी के 37वें उर्स से पहले स्वयंसेवक लड्डुओं की व्यवस्था करते हुए।

संभल में सरकारी जमीन से अवैध मस्जिद-मदरसा हटाए गए

20 गरीबों को पट्टे पर आवंटित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाए गए मस्जिद-मदरसे को मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा स्वयं ध्वस्त किए जाने के बाद जिला प्रशासन ने मलबा हटवाकर इन जमीनों के पट्टे 20 गरीब लोगों को आवंटित कर दिए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने संवाददाताओं को बताया कि असमोली थाना क्षेत्र के सलेमपुर सालार उर्फ हाजीपुर गांव में गाटा संख्या 537 की 1,339 वर्ग मीटर सरकारी भूमि पर 20 से 25 वर्ष पहले अवैध कब्जा कर मस्जिद और मदरसे का निर्माण किया गया था। उन्होंने बताया कि मदीना मस्जिद नामक इस ढांचे ध्वस्त कर जमीन को अब पूरी तरह कब्जा मुक्त कराकर 20 निर्धन व्यक्तियों को आवंटित कर दिया गया है।

जिलाधिकारी ने बताया कि अवैध रूप से निर्मित मस्जिद और मदरसे को मुस्लिम समाज के लोगों ने स्वयं हटा दिया था जिसके बाद प्रशासन ने मलबा और अवशेष हटवाकर भूमि को साफ कराया और 20 लोगों को पट्टे पर आवंटित कर दिया। इस भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनके आवास बनाए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि अवैध रूप से निर्मित मस्जिद और मदरसे को हटाने के लिए संबंधित पक्षों को चार माह का नोटिस दिया गया था, जिसकी अवधि पूरी हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि संबंधित पक्षों ने शनिवार को ही इसे हटाने का कार्य शुरू कर दिया था। मलबा हटाने के दौरान छह थानों का पुलिस बल और प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबलरी की दो पलटन तैनात रही।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पिता के जन्मदिन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को यहां वरिष्ठ नेता शकुनी चौधरी के 90वें जन्मदिन समारोह में शामिल हुए। शकुनी चौधरी उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पिता हैं और उनका तीन दशक लंबा राजनीतिक करियर है। बिहार के पूर्व मंत्री शकुनी ने राजनीति में आने से पहले भारतीय सेना में भी सेवा दी थी। कुमार और कई अन्य मंत्री यहां शकुनी चौधरी के आवास पर जन्मदिन समारोह में शामिल हुए।

सम्राट चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, ''मेरे पिता लंबे समय तक राजनीति में सक्रिय रहे। उन्होंने भारतीय सेना में भी सेवा दी और बिहार के समाज को मुख्यधारा में लाने के लिए काम किया। सड़क से लेकर संसद तक, उन्होंने हर स्तर पर काम किया है। हमारी कामना है कि वे 190 वर्षों तक हम सभी को अपना आशीर्वाद देते रहें।'' सम्राट ने जन्मदिन समारोह में शामिल होने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों का आभार व्यक्त किया।

आंख बंद कर भाजपा को वोट देने वाले खुद से सवाल करें : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों और केंद्र की 'डबल इंजन' की सरकारों की जमकर आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि भाजपा को आंख बंद करके समर्थन व वोट देने वाले अगर रत्ती भर चेतना रखते हों तो खुद से सवाल करें।

सपा प्रमुख यादव ने 'एक्स' पर एक लंबे पोस्ट में नसीहत भरे अंदाज में लोगों से कहा कि भाजपा को आंख बंद करके समर्थन व वोट देने वाले अगर रत्ती भर भी देश प्रेम, संवेदना, शर्म, मानवता, विवेक, ज्ञान और चेतना रखते हों तो उनके पोस्ट को पढ़कर ख़ुद से सवाल करें और अपनी बहन, बेटियों, परिवार की ओर देखने के बाद आइने में अपनी आंखों से आंखें मिलाएं! उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, भाजपाई 'डबल इंजन' के उत्तराखंड में लोग उत्तराखंड की बेटी' के लिए सड़कों पर न्याय मांग रहे हैं। भाजपाई 'डबल इंजन' के उत्तर प्रदेश में जहरीले सिरप से लोगों की मौत हो रही है। यादव ने इसी तरह के अन्य मामलों का सिलसिलेवार उल्लेख करते हुए दावा किया, भाजपाई डबल इंजन के उत्तर प्रदेश में जीएसटी अधिकारी के घर से करोड़ों रुपये नकद निकल रहे हैं और सरकार नोटबंदी से कालेधन के खात्मे और जीएसटी से ईमानदार टैक्स सिस्टम(कर प्रणाली) आने की दुहाई दे रही है। उन्होंने कहा, भाजपाई डबल इंजन के मध्यप्रदेश में जहरीले पानी से लोग मारे जा रहे हैं। भाजपाई डबल इंजन के मध्यप्रदेश में बाबासाहेब की तस्वीरें जलाई जा रही हैं, दलितों पर अत्याचार की हदें पार करी जा रही हैं। यादव ने कहा, भाजपाई डबल इंजन की दिल्ली में लोग एक-एक सांस के लिए तरस रहे हैं। भाजपाई डबल इंजन के राजस्थान में किसान घातक फैक्टरियों की बाउंड्रीवाल ट्रैक्टर से तोड़ रहे हैं।

सपा प्रमुख ने देश के अन्य राज्यों की चर्चा करते हुए कहा, भाजपाई डबल इंजन के गुजरात-हरियाणा में आम जनता अरावली को बचाने के लिए अवैध खनन माफियाओं और जमीन पर गिद्ध निगाह लगाए भाजपाइयों के विरुद्ध केवल न्यायालय के सहारे हैं। भाजपाई डबल इंजन के त्रिपुरा के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान के बेटे की, भाजपाई डबल इंजन के उत्तराखंड में नफरती एजेंडा चलाने वालों द्वारा हत्या कर दी गई।

मंजूरी के बाद भी, अदालतों में न्यायाधीश नियुक्त नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय द्वारा लगभग एक वर्ष पहले लंबित आपराधिक मामलों के निस्तारण के लिए मार्ग प्रशस्त किए जाने के बावजूद अब तक किसी भी उच्च न्यायालय में तदर्थ (एड-हॉक) न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं हुई है, क्योंकि उच्च न्यायालयों ने इस दिशा में कोई विशेष रुचि नहीं दिखाई है।

उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया से परिचित लोगों के अनुसार, 25 उच्च न्यायालयों में से किसी ने भी तदर्थ न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए नामों की सिफारिश नहीं की है। सर्वोच्च न्यायालय ने 18 लाख से अधिक आपराधिक मामलों के लंबित होने पर चिंता व्यक्त करते हुए 30 जनवरी, 2025 को उच्च न्यायालयों को तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति करने की अनुमति दी थी, जिनकी संख्या न्यायालय की कुल स्वीकृत संख्या के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। केंद्रीय विधि मंत्रालय को हालांकि, अभी तक किसी भी उच्च न्यायालय के कॉलेजियम से सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को तदर्थ आधार पर नियुक्त करने के लिए कोई सिफारिश प्राप्त नहीं हुई है। संविधान का अनुच्छेद 224ए उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों के प्रबंधन में सहायता के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को तदर्थ न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त करने की अनुमति देता है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, संबंधित उच्च न्यायालय के कॉलेजियम विधि मंत्रालय के न्याय विभाग को उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त किए जाने वाले उम्मीदवारों के नाम या सिफारिशें भेजते हैं। इसके बाद विभाग उम्मीदवारों के बारे में जानकारी और विवरण जोड़ता है और फिर उन्हें उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम को भेज देता है। इसके बाद उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम अंतिम निर्णय लेता है और सरकार को चयनित व्यक्तियों को न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश करता है। राष्ट्रपति नवनियुक्त न्यायाधीश के 'नियुक्ति पत्र' पर हस्ताक्षर करते हैं। तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया स्थायी जैसी ही रहेगी, सिवाय इसके कि राष्ट्रपति नियुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे।

नगर कीर्तन — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रविवार को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में दसवें सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह की जयंती (प्रकाश पर्व) के उपलक्ष्य में आयोजित 'नगर कीर्तन' जुलूस में श्रद्धालु भाग लेते हुए।

सुविचार

ज़िन्दगी को बदलने के लिए वक़्त नहीं लगता पर वक्त को बदलने के लिए ज़िन्दगी लग जाती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वेनेजुएला से सबक लें सभी देश

दुनिया में कई युद्धों को रोकने का दावा कर शांति का नोबेल पुरस्कार पाने के लिए लालायित रहने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला पर हमला कर ही दिया। ट्रंप 'शांति पुरुष' बनने चले थे, लेकिन 'अशांति पुरुष' बन गए। यह हमला अमेरिका द्वारा साल 2003 में इराक पर किए गए हमले की याद दिलाता है। तब उसने इराक में घातक रासायनिक एवं जैविक अस्त्रों का बहाना बनाया था, अब वेनेजुएला के (अपदस्थ) राष्ट्रपति मादुरो पर नार्को-आतंकवाद का आरोप लगाया है। तब उसकी नजरें इराक के तेल भंडार पर थीं, अब वेनेजुएला के तेल भंडार पर हैं। ट्रंप ने स्वीकार भी किया है कि इस भंडार का इस्तेमाल करने की योजना बनाई जा रही है। अमेरिका लगभग पांच साल से वेनेजुएला के खिलाफ जोर-शोर से माहौल बनाने में लगा था। उसने मादुरो की सरकार को भ्रष्ट और गैर-कानूनी बताकर ड्रग्स तस्करी के गंभीर आरोप लगाए थे। आखिरकार मौका देखकर मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। ड्रग्स तस्करी के लिए तो मैक्सिको भी जाना जाता है। पाकिस्तान में कई नेता और सैन्य अधिकारी यही धंधा कर रहे हैं। वहां आसिम मुनीर की तानाशाही चल रही है। क्या ट्रंप पाकिस्तान पर हमला करेंगे? वे मुनीर की पीठ थपथपा रहे हैं! ये दोहरे मापदंड क्यों? ट्रंप वेनेजुएला में 'लोकतंत्र' लाने की बातें कर रहे हैं, जैसा कि उनके कई पूर्ववर्ती ऐसी परिस्थितियों में करते रहे हैं। सवाल है- जिस 'लोकतंत्र' को लाने के लिए वेनेजुएला के लोगों पर बम बरसाए गए, अब वहां हालात सुधरेंगे या बिगड़ेंगे? अमेरिका ने यही वादा इराक युद्ध के दौरान किया था। बाद में वहां आईएसआईएस जैसे खूंखार आतंकवादी संगठन ने जड़ें जमा ली थीं।

अगर वेनेजुएला में भी किसी कट्टरपंथी संगठन या माफिया का बोलबाला हो जाएगा तो समस्याएं कम नहीं होंगी, बल्कि और बढ़ेंगी। इस देश का जिस तरह आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक पतन हुआ, उसमें दुनिया के लिए गहरे सबक हैं। कभी इसे समृद्ध और खुशहाल देशों में शुमार किया जाता था। इसके तेल भंडार सरकार का खजाना भरते थे। खूब दौलत आ रही थी तो सरकार ने लोकलुभावन योजनाएं लागू करते हुए कई गलत फैसले लिए थे। खेती और उद्योगों की घोर उपेक्षा की गई। लोगों को मुफ्त राशन, सस्ता पेट्रोल, कई तरह की सब्सिडी दी गईं। रोजगार को बढ़ावा देने के बजाय पैसा बांटने को प्राथमिकता दी गई। सरकार ने राष्ट्रीयकरण पर जोर दिया। इसका नतीजा यह रहा कि जो कंपनियां पहले ठीक प्रदर्शन कर रही थीं, वे भी भारी घाटे में चली गईं। वेनेजुएला की सरकार ने तकनीकी विकास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। वह पुरानी तकनीक को ही ढोती रही। खेती तो पहले ही चौपट हो चुकी थी, उद्योग-धंधे भी दम तोड़ने लगे। इससे भुखमरी और बेरोजगारी का चक्र शुरू हो गया। बाकी कसर वेनेजुएला के अकुशल, सुस्त और भ्रष्ट सरकारी तंत्र ने पूरी कर दी। दशकभर पहले जब अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में तेल की कीमतें गिरने लगीं तो वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था चरमराने लगी थी। सरकारी कंपनियों का घाटा बहुत बढ़ गया था, लेकिन उनके अधिकारियों और कर्मचारियों को कोई परवाह नहीं थी। उधर, सब्सिडी और अन्य मुफ्त योजनाओं के खर्चे पूरे करने के लिए सरकार ने धड़ाधड़ नोट छापे, जिससे मुद्रास्फीति बढ़ गई। प्रतिभाशाली लोग देश छोड़कर चले गए। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण हालत बिगड़ती ही गई। आम आदमी के लिए एक महीने के वेतन में एक वक्त का भोजन जुटाना मुश्किल हो गया था। सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें खूब पढ़ने को मिलीं कि किसी को एक ब्रेड खरीदने के लिए नोटों की कई गड्डियां देनी पड़ीं। तेल से मालामाल एक खुशहाल देश गलत नीतियों के कारण बर्बाद हो गया। जब देश अंदर से कमजोर होता है तो दुश्मन हावी हो जाते हैं। उम्मीद है कि वेनेजुएला से सबक लेकर अन्य देश सतर्क रहेंगे और अपनी संप्रभुता एवं आर्थिक स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे।

ट्वीटर टॉक

मुख्यमंत्री कार्यालय में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ठ्झड्ड में हुए घोटालों की रोजाना उजागर हो रही परतों को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

-भजनलाल शर्मा

राजस्थान में हुए सड़क हादसे का समाचार अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक है। मैं, ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और घायलों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। दुःख की इस घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

भाजपा सरकार की हठधर्मिता के कारण राजस्थान की जनता, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों, के हक़ और हितों से खिलवाड़ हो रहा है। पंचायतीराज चुनाव न कराना न सिर्फ संवैधानिक चूक है, बल्कि गांवों के विकास पर सीधा हमला भी है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

सच्ची मित्रता

रामायण के किष्किंधा कांड में सुग्रीव हनुमानजी, जामवंत और अपने कुछ वानर साथियों के साथ किसी तरह अपने प्राण बचाकर एक गुफा में छिपे थे। जब सुग्रीव ने दो राजकुमारों को देखा तो उन्होंने हनुमानजी को उनके पास उनका परिचय जानने के लिए भेजा, उस समय हनुमानजी वेश बदलकर दोनों राजकुमारों से मिलने पहुंचे। ये दोनों राजकुमार श्रीराम और लक्ष्मण थे। हनुमानजी ने अपनी बुद्धिमता और वाणी-कौशल से पहली भेंट में ही श्रीराम को प्रभावित कर लिया था। श्रीराम लक्ष्मण से कहते हैं कि ये निश्चित ही ज्ञानी हैं। हनुमानजी ने सुग्रीव और श्रीराम की मित्रता करवाई। इस प्रसंग में श्रीराम ने कहा है कि उपकार ही मित्रता का फल है। मित्र एक-दूसरे का भला करते हैं यानी एक-दूसरे पर उपकार करते हैं। मित्र एक-दूसरे को सभी कष्टों से मुक्ति दिलाते हैं। श्रीराम और सुग्रीव अग्नि को साक्षी बनाकर मित्रता करते हैं। सुग्रीव श्रीराम से कहते हैं कि आप मेरे प्रिय मित्र हैं। आज से हम दोनों के दुख और सुख एक हैं। श्रीराम को सीता की खोज करनी थी और सुग्रीव को अपना राज्य और पत्नी वापस प्राप्त करनी थी। बाली से युद्ध के लिए सुग्रीव को श्रीराम की जरूरत थी और श्रीराम सीता की खोज के लिए वानर सेना की जरूरत थी।

सामयिक

धर्म का स्वरूप : सेवा या स्वार्थ?

डॉ प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

भारत को सदियों से धर्म, आस्था और आध्यात्म की भूमि माना जाता रहा है। यहाँ धर्म केवल पूजा-पाठ या कर्मकांड तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जीवन के हर पक्ष को दिशा देने वाला तत्व रहा है। आस्था ने व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में संबल दिया, उसे नैतिकता और मानवता से जोड़े रखा। किंतु बदलते समय के साथ यह देखा जा रहा है कि आस्था का स्वरूप धीरे-धीरे विकृत होता जा रहा है। धर्म, जो आत्मिक शांति का माध्यम था, कई स्थानों पर भय, अंधविश्वास और व्यापार का साधन बनता जा रहा है। आज का यथार्थ यह है कि धार्मिक परंपराओं का एक बड़ा हिस्सा अपने मूल उद्देश्य से भटक चुका है। जिन कर्मकांडों का उद्देश्य मनुष्य को आत्मिक संतुलन देना था, वे अब आर्थिक लेन-देन और दिखावे से जुड़ गए हैं। तीर्थस्थल, जो कभी तप, त्याग और साधना के केंद्र हुआ करते थे, आज कई बार बाजार का रूप धारण कर चुके हैं। श्रद्धालु की भावना से अधिक उसकी आर्थिक स्थिति को महत्व दिया जाने लगा है।

आस्था का मूल आधार विश्वास है-ईश्वर में, जीवन में और स्वयं में। यह विश्वास किसी डर या लालच से नहीं, बल्कि आंतरिक संतोष से उपजता है। जब आस्था भय पर आधारित हो जाती है, तब वह पाखंड में बदल जाती है। दुर्भाग्यवश, आज अनेक धार्मिक गतिविधियाँ इसी भय को केंद्र में रखकर संचालित की जा रही हैं। लोगों को यह विश्वास दिलाया जाता है कि यदि उन्होंने किसी विशेष परंपरा का पालन नहीं किया या तय राशि का दान नहीं दिया, तो अनिष्ट हो जाएगा। इस प्रकार धर्म, जो आश्वासन देने वाला था, भय पैदा करने वाला बनता जा रहा है। परंपराएँ किसी भी समाज की पहचान होती हैं। वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी अनुभव और ज्ञान के माध्यम से विकसित होती हैं। लेकिन परंपराएँ तब तक ही उपयोगी हैं, जब तक वे समय, विवेक और मानवता के अनुरूप हों। परंपराओं को पत्थर की लकीर मान लेना समाज के विकास में बाधा बनता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम परंपराओं की समीक्षा करें-यह समझें कि उनका उद्देश्य क्या है और वे वर्तमान समय में कितनी प्रासंगिक हैं।

धर्म का एक महत्वपूर्ण पक्ष सेवा रहा है। सेवा का अर्थ है-निस्वार्थ भाव से दूसरों की सहायता करना। किंतु जब सेवा के बदले मूल्य तय कर दिया जाए, तब उसका स्वरूप बदल जाता है। दान तभी दान कहलाता है जब वह स्वेच्छा से दिया जाए। जब दान दबाव, भय या सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण दिया जाता है, तब वह अपनी पवित्रता खो देता है। दुर्भाग्य से, आज दान भी कई जगह अनिवार्य शुल्क की तरह वसूला जाने लगा है। इस स्थिति का सबसे अधिक प्रभाव साधारण और भावनात्मक लोगों पर पड़ता है। दुख, शोक या संकट की घड़ी में व्यक्ति मानसिक रूप से कमजोर होता है। ऐसे समय में यदि उसकी आस्था का शोषण किया जाए, तो यह न केवल अनैतिक है, बल्कि अमानवीय भी है। धर्म का उद्देश्य मनुष्य को टूटने से बचाना है, न कि उसे और अधिक बोझिल बनाना। पाखंड का सबसे बड़ा खतरा यह है कि वह धीरे-धीरे धर्म के प्रति अविश्वास को जन्म देता है। जब लोग बार-बार ठगे जाते हैं, उनकी भावनाओं का दोहन होता है, तो वे या तो धर्म से दूर हो जाते हैं या फिर हर परंपरा को संदेह की दृष्टि से देखने लगते हैं। यह स्थिति समाज के लिए घातक है, क्योंकि धर्म का स्वस्थ स्वरूप सामाजिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आज के शिक्षित और जागरूक समाज में यह अपेक्षा की जाती है कि व्यक्ति हर बात को तर्क और विवेक की कसौटी पर परखे। आस्था और विवेक एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। सच्ची आस्था वही है जो विवेक के साथ चल सके। यदि कोई परंपरा मानवता, नैतिकता और करुणा के विरुद्ध जाती है, तो उसे बदलना ही धर्मसम्मत कदम माना जाना चाहिए। धार्मिक संस्थानों और धर्म से जुड़े लोगों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें यह समझना होगा कि उनकी जिम्मेदारी केवल कर्मकांड करवाना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है। यदि धार्मिक नेतृत्व स्वयं लालच और स्वार्थ से प्रेरित होगा, तो आमजन से नैतिकता की अपेक्षा करना व्यर्थ है। धर्म को व्यवसाय नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम बनाना समय की माँग है। इसके साथ ही समाज की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। जब तक लोग स्वयं जागरूक नहीं होंगे, तब तक पाखंड समाप्त नहीं होगा। प्रश्न करना अधर्म नहीं है। हर परंपरा का उद्देश्य समझना और उस पर विचार करना बौद्धिक परिपक्वता का संकेत है। आँख मूँदकर हर बात मान लेना न तो आस्था है और न ही धर्म।

मीडिया और शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी इस संदर्भ में अहम है। यदि धार्मिक मुद्दों पर संतुलित, तार्किक और संवेदनशील चर्चा होगी, तो समाज में जागरूकता बढ़ेगी। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि विवेकशील नागरिक तैयार करना भी है-ऐसे नागरिक जो आस्था और अंधविश्वास में अंतर समझ सकें।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम धर्म को उसके मूल स्वरूप में लौटाने का प्रयास करें। ऐसा धर्म, जो भय नहीं, बल्कि शांति दे; जो शोषण नहीं, बल्कि संरक्षण करे; और जो विभाजन नहीं, बल्कि एकता का संदेश दे। आस्था को आत्मा की शक्ति बनाना होगा, न कि किसी के स्वार्थ का साधन। अंततः यह स्पष्ट है कि धर्म का भविष्य परंपराओं से अधिक हमारी सोच पर निर्भर करता है। यदि हम विवेक, करुणा और आत्मसम्मान को आस्था का आधार बनाएँ, तो पाखंड अपने आप समाप्त होने लगेगा। सच्चा धर्म वही है जो मनुष्य को बेहतर इंसान बनाए। आज के समय में यही सबसे बड़ी आवश्यकता और सबसे बड़ा धर्म है।

ज्ञान विज्ञान

गहरे समुद्र में क्या रहते हैं एलियन?

वैज्ञानिकों ने गहरे समुद्र में रहने वाले एक रहस्यमयी जीव के बारे में अहम जानकारी हासिल की है। यह जीव एलिसिला जिंगेंटिया है, जिसे लंबे समय से बेहद दुर्लभ माना जाता रहा है। नई रिसर्च से पता चलता है कि एलिसिला जिंगेंटिया बहुत दुर्लभ नहीं है बल्कि सच्चाई ये है कि अब तक इसे ठीक से खोजा ही नहीं जा सका था। करीब 13.4 इंच तक की लंबाई वाले इस जीव के बारे में सामने आया है कि यह समुद्र की सबसे गहरी जगहों में रह रहा है, जो पृथ्वी के कई सबसे रहस्यमयी जीवों का घर है।

रॉयल सोसाइटी ओपन साइंस और इंडियन डिफेंस रिव्यू में पब्लिश हुई रिसर्च कहती है कि समुद्र की अथाह गहराइयों में रहने वाले एलिसिला जिंगेंटिया के बारे में हमारी समझ को पूरी तरह बदल दिया है। एलियन समझा जाने वाला यह विशालकाय क्रस्टेशियन समुद्र तल पर व्यापक रूप से फैला हुआ है और अच्छी तरह से पनप रहा है। इस नई जानकारी पर वैज्ञानिक भी हैरानी जता रहे हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिस एलिसिला जिगेंटिया को दुर्लभ माना जाता रहा, वह 13.4 इंच तक बढ़ सकता है और कई महासागरों में 17,400 फीट से लेकर 29,300 फीट या इससे ज्यादा गहराई में मौजूद है। यह बेहद ठंडे तापमान और मुश्किल परिस्थितियों में जीवित रहने में सक्षम है। लंबी दूरी तय करके यह कई महासागरों में फैल गया है। एलिसिला जिगेंटिया को आम भाषा में 'एम्फीपोड' कहा जाता है। यह झींगे जैसा दिखने वाला समुद्री जीव है। कई दशकों तक इसे गहरे समुद्र की अजीबोगरीब प्रजाति माना जाता था। इसे देखे जाने को संयोग माना जाता था। इसके अस्तित्व पर ही सवाल थे लेकिन इस अध्ययन से पता चला है कि यह प्रजाति बिल्कुल दुर्लभ नहीं है, बल्कि काफी फैली हुई है।

यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के डॉक्टर पेज मारोनी ने दुनियाभर के गहरे समुद्र अभियानों के जरिए एलिसिला जिगेंटिया की स्थिति को समझने की कोशिश की। दुनिया में अलग-अलग हिस्सों से जमा किए गए नमूनों के आनुवंशिक अध्ययनों ने साबित किया है कि एलिसिला जिगेंटिया गहरे समुद्र तल के विशाल क्षेत्रों में पनप रहा है। इस खोज के सबसे दिलचस्प पहलुओं में से एक एलिसिला जिगेंटिया आबादी के बीच पाई जाने वाली आनुवंशिक एकरूपता है। विशाल और भौगोलिक रूप से दूर के गहरे समुद्र क्षेत्रों पर कब्जा करने के बावजूद इनमें बहुत कम आनुवंशिक भिन्नता है। एक्सपर्ट इसे उसके लचीलेपन का एक उल्लेखनीय उदाहरण कह रहे हैं।

एक्सपर्ट कहते हैं कि गहरे समुद्र में भोजन दुर्लभ है और तापमान जमने के करीब है। साथ ही भारी दबाव भी जीवित रहने को चुनौती बनाता है।

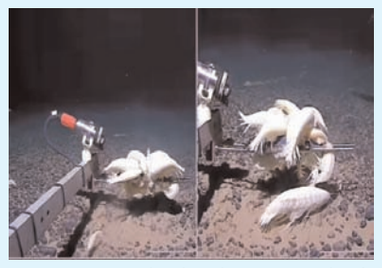

फिर भी इस एम्फीपोड ने गहरे समुद्री खाइयों और हैडल जोन में पनपने का एक तरीका खोज लिया है। स्कैवेंजर के तौर पर यह समुद्र तल पर गिरने वाले कैरियन और कार्बनिक पदार्थ पर भोजन करता है। एलिसिला जिगेंटिया के पेट की सामग्री के अध्ययन से पता चला है कि यह कम भोजन उपलब्धता वाले वातावरण में भी जीवित रह सकता है। यह खुद को जिंदा रखने के लिए छिटपुट रूप से गिरने वाले कार्बनिक पदार्थ से गुजारा कर सकता है। पोषक तत्वों की कमी वाले पानी में जीवित रहने की यह क्षमता वैज्ञानिको की रिर्सर्च में मदद कर सकती है।

नजरिया

रियलिटी नहीं, रील में बर्बाद हो रही है युवा पीढ़ी

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

आज की नई पीढ़ी सपनों में जी रही है सोशल मीडिया रील ओटीटी पर परोसी जा रही लिव-इन रिलेशनशिप लव अफेयर्स सुसाइड हिंसा की काकटेल यूथ लाइफ पर इस तरह हावी हो रही है कि बिना सोचे समझे जस्ट डिसीजन जिंदगी पर भारी पड़ रहे हैं। उस पर मल्टी अफेयर्स विवाह पूर्व और विवाहोत्तर स्वछंद सेक्स रिलेशन युवा जोड़ों के वैवाहिक जीवन को त्रास रहे हैं। एक ओर स्वछंद जीवन जीने की ललक है दूसरे ओर वर्जित संबंधों से बचाव की वर्जना इन दोनों का एक साथ संयोग बनाने की कवायद में बहुत सारे कपल अंकफर्ट हो रहे हैं और नतीजा कभी मेरठ की मुस्कान के नीले ड्रम, तो कभी हनीमून ट्रिप पर राजा रघुवंशी के कत्ल के बतौर सामने आ रहा है। वहीं तमाम समाज और परिवार की परंपराओं को तोड़ कर लव मैरिज कर रहे कपल भी फास्टफूड की तरह लाइफ को जीना चाहते हैं और एक दूसरे को समझने परखने समझौता करने का आत्मविश्वास खो कर पलक झपकते ही सुसाइड जैसे आत्मघाती फैसले ले रहे हैं दरअसल पेरेंट्स के प्रति सम्मान कम हो रहा है बुजुर्गों के पास समय देना पल भर बैठना भी आज के यूथ को बेकार लगता है ऐसे में उसे जीवन बोध से कौन अवगत करा सकता है वह सिर्फ रील देखता है इंसटा चलाता है फास्ट फूड खाता है और जिंदगी को अपने मुताबिक जीने की ललक में लगातार जिंदगी से दूर होता जा रहा है इस सब जीवन द्वंद को दो दिन में सामने आई दो घटनाओं से समझने की कोशिश कर रहे हैं।

बेंगलूरु में शादी के बाद हनीमून से लौटे एक जोड़े ने झगड़े के बाद आत्महत्या कर ली। पत्नी गानवी की मौत के दो दिन बाद पति सूरज ने नागपुर के एक होटल में फांसी लगा ली। गानवी के परिवार ने सूरज और उसके परिवार पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया था। सूरज की मां ने भी आत्महत्या का प्रयास किया और उनकी हालत गंभीर है। जानकारी के अनुसार युवक ने अपनी पत्नी की आत्महत्या के दो दिन बाद नागपुर के एक होटल में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतक पत्नी के माता-पिता ने सूरज के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कराया था।पत्नी के आत्महत्या के दो दिन बाद सूरज बेंगलूरु से एक हजार किलोमीटर दूर नागपुर गया, जहां वो अपनी मां के साथ पहुंचा था। उसने कमरे में सीलिंग फैन से लटककर जान दे दी, वहीं उसकी मां ने भी आत्महत्या की कोशिश की, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

इस जोड़े ने 29 अक्टूबर को बेंगलूरु में शादी की थी और उसके बाद हनीमून के लिए श्रीलंका गए थे। हालांकि, यह यात्रा छोटी हो गई और एक झगड़े के बाद वे पिछले हफ्ते बेंगलूरु लौट आए। गानवी के परिवार ने दावा किया कि वे लड़की को अपने घर वापस ले आए क्योंकि कथित तौर पर उसे ससुराल वालों से अस्वीकृति और अपमान का सामना करना पड़ा था। सूरज के भाई, संजय शिवन्ना ने नागपुर पुलिस को वर्धा रोड पर एक होटल में आत्महत्या की कोशिश के बारे में बताया। जबकि सूरज के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, उसकी मां एक स्थानीय अस्पताल में जिंदगी के लिए लड़ रही है।

दूसरी घटना उत्तर प्रदेश के सीतापुर से सामने आ रही है। आपको बता दें कि प्रेम प्रसंग में 22 दिन पहले मंदिर में फेरे लेने वाले युगल के शव उसी मंदिर में संदिग्ध हालत में लटकते मिले हैं। दोनों ने गुपचुप शादी की थी। बताया जा रहा है कि इस शादी से दोनों के परिवार संतुष्ट नहीं थे। घटना के बाद पुलिस अधिकारियों ने फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। अलग-अलग बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है।

आपको जानकारी दें कि हरगांव के अनिया कला गांव में महामाई मंदिर परिसर में रविवार की सुबह लोग पूजन-अर्चन के लिए गए तो वहां पेड़ से युवक व युवती के शव लटके मिले। मौके पर भीड़ जमा हो गई। दोनों की पहचान लहरपुर के बस्तीपुरवा मोहिद्दीनपुर के 22 वर्षीय खुशीराम और 20 वर्षीय मोहिनी के रूप में हुई। बताया जाता है कि दोनों में प्रेम-प्रसंग चल रहा था और छह दिसंबर को दोनों ने गुपचुप तरीके से इसी मंदिर परिसर में शादी की थी। इस पर दोनों के परिवार मंदिर पहुंचे थे और नाखुशी जताई थी। हालांकि, मोहिनी को घर लाकर खुशीराम रहने लगा था। रविवार को दोनों के शव लटके देखकर सभी सन्न रह गए। रिश्ते में दोनों चचेरे भाई-बहन थे। तीन साल से दोनों के मध्य प्रेम प्रसंग चल रहा था। परिवार के लोग शादी से मना कर रहे थे।मंदिर परिसर में दोनों के मौत की खबर की जानकारी परिवारजन को लगी, लेकिन मोहिनी की मां के शिवाय उसके परिवार का कोई भी सदस्य मौके पर नहीं आया। वहीं, खुशीराम के पिता का निधन पहले ही हो चुका है।

यूपी के हाथरस में 28 दिसंबर को प्रेम-प्रसंग से जुड़ा सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्रेमी ने शादी करने से इनकार कर दिया तो आहत युवती ने सुसाइड कर लिया। आत्महत्या से पहले उसने एक वीडियो बनाकर मौसी के मोबाइल फोन पर भेज दिया। वीडियो में वह कह रही है 'आकाश तुमने मुझे इतना मजबूर कर दिया कि अब मेरे पास मरने के सिवाय कोई रास्ता नहीं बचा है। आई एम सॉरी मम्मी। तुम दुनिया की बेस्ट मम्मी हो। आकाश की वहज से मुझे सुसाइड करने पर मजबूर होना पड़ रहा है।' लुधियाना में हाल ही में एक युवक के कटे हुए प्राइवेट पार्ट के साथ अस्पताल पहुंचने की सनसनीखेज घटना ने पुलिस को चौंका दिया। लेकिन जांच में सामने आई प्रेम, धोखे और हत्या की खौफनाक कहानी ने सभी को हैरत में डाल दिया। सोमवार को खुलासा हुआ कि युवक और नर्स होटल में संबंध बना रहे थे। इसी दौरान युवक ने नर्स को कहा कि उसकी सगाई हो गई जिससे नर्स गुस्से में आग बबूला हो गई। उसने एक धारदार ब्लेड से युवक का प्राइवेट पार्ट ही काट दिया। इसके बाद युवक भी अपने होश खो बैठा और उसने नर्स का गला दबाकर उसकी हत्या कर डाली।

इस तरह की घटनाओं की लंबी फहरिस्त है लव अफेयर अब सिर्फ एलीट शहरी शिक्षित यूथ तक सीमित नहीं रह गए हैं कस्बे गाँव की डगर तक भी सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो रील युवा पीढ़ी को तमाम वर्जनाओं को लांघ कर असंयमित असामाजिक परिवेश में धकेल कर एक स्वछंद उन्मुक्त परिवार समाज के प्रति गैर जबावदेही भरी फास्ट लाइफस्टाइल अपनाने को उकसा रहे हैं ऐसे में समाज सरकार को गंभीरता से विचार कर जरूरी कदम उठाने होंगे ताकि बर्बाद हो रही पीढ़ी को बचाया जा सके।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'पाताल लोक' से नाम कमा चुके प्रतीक पचौरी जयपुर में अभिनय कार्यशाला की मेजबानी करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। 'पंचायत' और 'पाताल लोक' जैसी वेब सीरीज से नाम कमा चुके अभिनेता प्रतीक पचौरी 12 से 17 जनवरी तक जयपुर के पास रूंडल गांव में आयोजित होने वाली 'एन एक्टर विदिन' नामक कार्यशाला की मेजबानी करेंगे। जयपुर के समीप अरावली की पहाड़ियों में स्थित प्राइम हैबिटेयर' में आयोजित यह छह दिवसीय कार्यशाला अभिनय सीखने के इच्छुक युवाओं और रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए तैयार की गई है। इसमें अभिनय प्रशिक्षण के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य, आत्मचिंतन और फिल्म उद्योग के अनुभवी पेशेवरों से मार्गदर्शन भी शामिल होगा।

पचौरी के साथ इस कार्यशाला में मैगपाई कास्टिंग के संस्थापक नवनीत रंगा और मुंबई की योग प्रशिक्षक शर्मिला आशा सुरेश भी शामिल होंगी। कार्यक्रम के आयोजक आकाश गौर ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को अभिनय के क्षेत्र में करियर की मजबूत बुनियाद तैयार करने में मदद करना है। उन्होंने कहा, यह केवल एक पारंपरिक अभिनय कार्यशाला नहीं है, बल्कि सीखने, जीने और सहयोग का एक अनूठा अनुभव है, जिसका मकसद प्रतिभागियों के अभिनय करियर को ठोस आधार देना है।

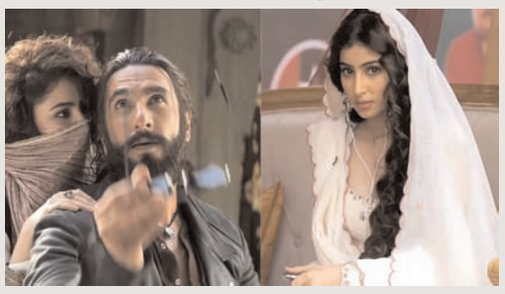

सारा अर्जुन ने 'धुरंधर' की सफलता पर दर्शकों का आभार व्यक्त किया

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री सारा अर्जुन ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर अपनी फिल्म धुरंधर' को मिली शानदार सफलता के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया। आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म 'धुरंधर' पांच दिसंबर को रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से भी अधिक की कमाई की है। फिल्म में रणवीर सिंह ने मुख्य किरदार निभाया है, साथ ही संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन और राकेश बेदी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

इस फिल्म का निर्माण आदित्य धर और उनके भाई लोकेश धर ने अपने बैनर 'बी62 स्टूडियोज' के माध्यम से जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे के साथ मिलकर किया है। सारा ने लिखा, ''मेरे सबसे मजबूत धुरंधर, दर्शक लंबे समय से यह चर्चा हो रही थी कि दर्शकों के पास लंबी कहानी सुनने का धैर्य नहीं है, ध्यान कम हुआ है और सिनेमा अब अपनी जगह नहीं बना पा रहा। लेकिन आपने इसे गलत साबित कर दिया। आपने सभी को दर्शकों की असली ताकत याद दिला दी।'' अभिनेत्री (20) ने कहा कि इस सफलता ने उन्हें कृतज्ञता से ''अभिभूत'' कर दिया है और ऐसे प्रोत्साहन से उन्हें शक्ति मिलती है। फिल्म की कहानी कराची के लियारी इलाके पर बनी है, जो गैंगवार और हिंसक वर्चस्व की लड़ाई के लिए जाना जाता है। फिल्म का दूसरा भाग 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

लियोनार्डो डिकैप्रियो ने सिनेमाघरों के भविष्य पर जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लॉस एंजिल्स/भाषा। हॉलीवुड अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो ने कहा है कि उन्हें संदेह है कि 'स्ट्रीमिंग' मंचों के बढ़ते चलन के बीच, क्या दर्शकों में अब भी सिनेमाघरों के लिए पहले जैसा उत्साह बना हुआ है। उन्होंने आशंका जताई कि कहीं आने वाले समय में जैज बार और अन्य सांस्कृतिक तौर पर सिमट रही विधाओं की तरह सिनेमाघरों का दायरा सीमित तो नहीं रह जाएगा।

इंटरनेट के जरिए बिना डाउनलोड किए सीधे वीडियो देखने या ऑडियो सुनने की प्रक्रिया को 'स्ट्रीमिंग' कहते हैं। 'द टाइम्स' को दिए एक साक्षात्कार में डिकैप्रियो ने कहा, सिनेमा उद्योग एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है और यह बदलाव बेहद तेजी से हो रहा है। पहले वृत्तचित्रों का सिनेमाघरों से गायब होना शुरू हुआ और अब ड्रामा (गंभीर विषयों वाली) फिल्मों को भी सिनेमाघरों में बहुत ही सीमित समय मिलता है, लोग उन्हें 'ओवर द टॉप' (स्ट्रीमर्स) पर आने का इंतजार करते हैं।

'ओवर द टॉप'(ओटीटी) वे डिजिटल मंच होते हैं, जहां फिल्में, वेब सीरीज, डॉक्यूमेंट्री आदि मोबाइल, टीवी या कंप्यूटर पर ऑनलाइन देखी जा सकती हैं। उन्होंने कहा, मैं नहीं जानता। क्या लोगों में सिनेमा के प्रति अब भी वैसा उत्साह बचा है? या फिर सिनेमाघर भी अब 'जैज बार' की तरह सिमटकर रह जाएंगे। डिकैप्रियो की हालिया फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनदर' है जो सितंबर 2025 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का निर्देशन पॉल थॉमस एंडरसन द्वारा किया गया है जिसमें डिकैप्रियो के साथ शॉन पेन, टेयाना टेलर और बेनिसियो डेल टोरो ने भी मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं।

अमेरिका में रह रहे वेनेजुएला के लोगों ने मादुरो के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई पर मनाया जश्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डोराल (अमेरिका)/एपी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी सेना द्वारा पकड़ लिए जाने और अमेरिका लाने की खबर फैलते ही, दक्षिण फ्लोरिडा में रहने वाले वेनेजुएला के लोग जश्न मनाने लगे और कुछ लोग वहां का झंडा कंधों पर लपेट कर आजादी' का नारा लगाने लगे। अमेरिका की सैन्य कार्रवाई से वेनेजुएला के कुछ निवासियों को अपने प्रियजनों से दोबारा मिलने का सपना पूरा होता हुआ दिखाई देने लगा है।

मादुरो को पकड़ने की खबर फैलते ही मियामी के उपनगर डोराल में लोग एक रैली के लिए इकट्ठा हुए। इस इलाके में लगभग आधी आबादी वेनेजुएला मूल की है और यहीं पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक गोल्फ रिसॉर्ट है।

डोराल में वेनेजुएला की संस्कृति के केंद्र, 'एल अरेपाज़ो रेस्तरां' के बाहर, एक व्यक्ति ने गत्ते का एक टुकड़ा पकड़ रखा था जिस पर काले मार्कर से स्वतंत्रता लिखा हुआ था। यह भावना वेनेजुएला मूल के अन्य लोगों ने भी व्यक्त की थी जो अपने देश के लिए एक नई शुरुआत की उम्मीद कर रहे हैं, और स्वतंत्रता! स्वतंत्रता! स्वतंत्रता! के नारे लगा रहे थे।

साल 1997 में अमेरिका आईं एलेजांद्रा अरिएटा ने कहा हम भी बाकी सब लोगों की तरह ही हैं - जाहिर है, यह भावनाओं का एक मिलाजुला रूप है। डर भी है। उत्साह भी है। अमेरिकी कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के निर्वासित लोगों में आशा की किरण जगी है। मादुरो को पकड़े जाने के घटनाक्रम ने डेविड नुनेज के लिए वेनेजुएला में अपने प्रियजनों से मिलने की उम्मीद जगाई है। नुनेज ने बताया कि वेनेजुएला में राजनीतिक सक्रियता के कारण उत्पीड़न झेलने के बाद छह साल पहले वे अमेरिका भाग आए थे और तब से उन्होंने अपनी बेटियों (उम्र आठ और 17 साल) को नहीं देखा है।

इस बीच वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन हुए। वेनेजुएला की राजधानी काराकस में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान, मेयर कारमेन मेलेन्डेज़ मादुरो को छोड़ने की मांग कर रही भीड़ में शामिल हुईं। भीड़ नारे लगा रही थी,मादुरो, टिके रहो, जनता उठ खड़ी हुई है! हम यहां हैं, निकोलस मादुरो। अगर आप हमें सुन सकते हो, तो जान लो कि हम यहां हैं!

अमेरिका-वेनेजुएला विवाद का भारत के व्यापार पर कोई असर नहीं : जीटीआरआई

नई दिल्ली/भाषा। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि अमेरिका और वेनेजुएला के बीच विवाद का भारत के वेनेजुएला के साथ व्यापार पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। अमेरिकी सेना ने चार जनवरी को वेनेजुएला में बड़ी सैन्य कार्रवाई की, जिसमें राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया गया। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत के लिए इसका आर्थिक या ऊर्जा क्षेत्र पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं होगा, क्योंकि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत-वेनेजुएला व्यापार पहले ही काफी घट चुका है।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का वेनेजुएला से कच्चे तेल का आयात 81.3 प्रतिशत घटकर 2.55 अरब डॉलर रह गया, जबकि कुल व्यापार भी मामूली स्तर पर ही रहा। भारत का वेनेजुएला को दवा सहित अन्य उत्पादों का निर्यात 9.53 करोड़ डॉलर का रहा। श्रीवास्तव ने कहा कि भारत और वेनेजुएला के बीच व्यापार अब घटता जा रहा है। इसके पीछे मुख्य कारण अमेरिकी प्रतिबंध और व्यापारिक गतिविधियों में कमी है। उन्होंने यह भी कहा कि कम व्यापार, सख्त प्रतिबंध और बड़ी दूरी को देखते हुए वेनेजुएला की हाल की घटनाएं भारत की अर्थव्यवस्था या ऊर्जा सुरक्षा पर कोई बड़ा असर नहीं डालेंगी।

वेनेजुएला में आखिर सत्ता किसके हाथ में है, लोग परेशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कारकस/एपी। अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़कर देश से बाहर ले जाए जाने के बाद शनिवार को देश के लोग यह समझने के लिए परेशान रहे कि उनके राष्ट्र की बागडोर आखिर किसके हाथ में है। मादुरो ने 2.9 करोड़ की आबादी वाले इस राष्ट्र में असफल तख्तापलट के एक प्रयास, कई सैन्य विद्रोहों, बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों और आर्थिक प्रतिबंधों का सामना किया था। वेनेजुएला की राजधानी काराकस के निवासी जुआन पाब्लो पेट्रोन ने पूछा, ''कल क्या होगा?'' जैसे ही शहर में दहशत फैली, सड़कें तुरंत सुनसान हो गईं, सिवाय सुपरमार्केट और पेट्रोल पंपों के, जहां लोग लंबी कतारों में खड़े दिखे।

देश की बागडोर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है कि वेनेजुएला पर अमेरिका नियंत्रण कर लेगा और ऐसा संभवतः मादुरो के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक के साथ मिलकर किया जाए। वेनेजुएला में राष्ट्रपति की दौड़ में अगली उम्मीदवार और साल 2018 से उपराष्ट्रपति पद संभाल रहीं डेल्सी रोड्रिगेज राष्ट्र की तेल पर निर्भर अर्थव्यवस्था के साथ-साथ इसकी कुख्यात खुफिया सेवा का काम भी देखती हैं। शनिवार को वेनेजुएला के उच्च न्यायालय ने उन्हें राष्ट्रपति का पद अंतरिम रूप से संभालने का आदेश दिया। ट्रंप ने पत्रकारों से रोड्रिगेज के बारे में कहा, वह वेनेजुएला को फिर से महान बनाने के लिए जो कुछ भी आवश्यक समझती हैं, वह करने को तैयार हैं। रोड्रिगेज को वेनेजुएला के लोकतंत्र को कमजोर करने में कथित भूमिका के लिए ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा था।

ट्रंप ने कहा कि विपक्षी नेता एवं पिछले साल नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित मारिया कोरिना मचाडो के पास देश चलाने के लिए आवश्यक समर्थन नहीं है। उन्होंने कहा कि रोड्रिगेज ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ लंबी बातचीत की। ट्रंप के दावे के अनुसार उन्होंने कहा, हम आपकी हर ज़रूरत पूरी करेंगे। ट्रंप ने कहा, ''मुझे लगता है कि वह बहुत ही विनम्र हैं। हम यह जोखिम नहीं उठा सकते कि कोई और वेनेज़ुएला की सत्ता संभाले जो वेनेज़ुएला के लोगों के हितों को ध्यान में न रखे।'' वेनेजुएला के अधिकारी सैन्य अभियान में बच गए और कम से कम फिलहाल तो वे अपने पदों पर काबिज हैं। इस बात का तत्काल कोई संकेत नहीं मिला कि अमेरिका वेनेजुएला की सरकार का संचालन कर रहा है। हालांकि, अदालत के आदेश से पहले रोड्रिगेज ने मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की तत्काल रिहाई की मांग की तथा अमेरिकी अभियान की निंदा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन बताया। रोड्रिगेज़ ने कहा, इस देश में केवल एक ही राष्ट्रपति हैं, और उनका नाम निकोलस मादुरो है।''

उत्तरी नाइजीरिया में बंदूकधारियों के हमले में 30 लोगों की मौत, कई लोगों का अपहरण : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मीना (नाइजीरिया)/एपी। उत्तरी नाइजीरिया के नाइजर राज्य के एक गांव पर बंदूकधारियों के हमले में कम से कम 30 ग्रामीणों की मौत हो गई जबकि कई अन्य का अपहरण कर लिया गया।

पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। नाइजर राज्य पुलिस के प्रवक्ता वासिउ अबियोदुन ने एक बयान में कहा कि बंदूकधारियों ने शनिवार शाम राज्य के बोर्गु स्थानीय प्रशासन क्षेत्र में कसुआन-दाजी गांव पर धावा बोल दिया और निवासियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने स्थानीय बाजार और कई घरों को भी जला दिया।

कम से कम दो ग्रामीणों ने मृतकों की संख्या 37 बताई और आशंका जताई कि यह संख्या इससे भी अधिक हो सकती है क्योंकि रविवार तक कुछ लोग लापता थे।

ग्रामीणों ने यह भी कहा कि सुरक्षा बल अब तक इलाके में नहीं पहुंचे हैं जो पुलिस के उस दावे का खंडन करती है कि उन्होंने अपहृत लोगों की तलाश के लिए अधिकारी तैनात किए हैं।

सीरिया में आईएस के संदिग्ध ठिकाने पर ब्रिटेन, फ्रांस के युद्धक विमानों का हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दमिश्क (सीरिया)/एपी। ब्रिटेन और फ्रांस के युद्धक विमानों ने मध्य सीरिया में एक भूमिगत ठिकाने पर हवाई हमला किया, जहां इस्लामिक स्टेट समूह के सदस्यों द्वारा हथियार और विस्फोटक जमा किए जाने का संदेह है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय के बयान के अनुसार, ये हमले शनिवार शाम को सीरिया के होम्स प्रांत में ऐतिहासिक शहर पल्मायरा के ठीक उत्तर में पहाड़ों में स्थित ठिकानों पर हुए।

ब्रिटेन और फ्रांस अमेरिका के नेतृत्व वाले उस गठबंधन का हिस्सा हैं जो एक दशक से अधिक समय से आईएस आतंकवादियों से लड़ रहा है।

मंत्रालय ने बताया कि ब्रिटिश सेना ने टाइफून एफजीआर4 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। संयुक्त हमले में फ्रांसीसी विमान भी शामिल थे। ब्रिटिश वायु सेना ने ठिकाने तक जाने वाली कई सुरंगों को निशाना बनाने के लिए निर्देशित बमों का इस्तेमाल किया।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने कहा, यह कार्रवाई ब्रिटेन के नेतृत्व और मध्य पूर्व में आईएस और उसकी हिंसक विचारधाराओं के किसी भी उभार को खत्म करने के लिए अपने सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने के हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाती है।

सीरिया सरकार की ओर से इन हमलों पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं आई है। सीरिया पिछले साल के अंत में आईएस विरोधी गठबंधन में शामिल हुआ था।

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों का कहना है कि सीरिया और इराक में स्थित अपने पूर्व गढ़ों में आईएस के अभी भी 5,000 से 7,000 सदस्य सक्रिय हैं।

बीएनपी ने जिया के निधन पर शोक संदेश भेजने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया

ढाका/भाषा। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भेजे गये शोक संदेश के लिए आभार व्यक्त किया और भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को याद किया। बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रहीं एवं बीएनपी की वरिष्ठ नेता जिया का 30 दिसंबर को निधन हो गया था। बीएनपी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''माननीय नरेन्द्र मोदी आपके शोक संदेश और श्रद्धांजलि के लिए हम हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। बांग्लादेश-भारत संबंधों में बेगम खालिदा जिया के योगदान को हमेशा याद रखा जायेगा।''

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को जिया के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और बीएनपी नेता एवं जिया के बड़े बेटे तारिक रहमान को प्रधानमंत्री मोदी की ओर से शोक संदेश सौंपा था। बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले संसदीय चुनावों में प्रधानमंत्री पद के प्रबल दावेदार रहमान से मुलाकात के दौरान, जयशंकर ने विश्वास व्यक्त किया कि जिया का ''दृष्टिकोण और मूल्य'' दोनों देशों के बीच साझेदारी का मार्गदर्शन करेंगे।

रहमान वर्तमान में बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। मोहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गये। भारत बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता व्यक्त करता रहा है।

टेलीविजन कलाकार जय दुधाने 4.61 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार

ठाणे/भाषा। रियल्टी टीवी शो से पहचान बनाने वाले जय दुधाने को एक कथित रियल एस्टेट धोखाधड़ी मामले में मुंबई हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुधाने की गिरफ्तारी एक सेवानिवृत्त इंजीनियर द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के बाद हुई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि दुधाने और उनके परिवार के चार सदस्यों ने शिकायतकर्ता को ठाणे में पांच व्यावसायिक दुकानें खरीदने का झांसा देकर उनसे 4.61 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की, जबकि ये दुकानें बैंक के पास गिरवी थीं। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रवीण माने ने पुष्टि की कि जाने-माने जिम प्रशिक्षक और मॉडल जय दुधाने को शनिवार को हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया था।

स्वागत — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रविवार को त्रिची हवाई अड्डे पर केंद्रीय वाणिज्य, उद्योग और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल का स्वागत करते हुए भाजपा तमिलनाडु के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और अन्य नेतागण।

सुन्दरकांड पाठ — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में माँ दुर्गा भक्त मन्डल के तत्वावधान में 1450वां सुन्दरकांड पाठ गंगाधर पारीक के निवास पर सम्पन्न हुआ। सुन्दरकाण्ड पाठ गणेश वन्दना एवं मन्त्रोच्चारण करके पाठ चालू किया पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

व्यासरपाडी में हुआ निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम एंड तंडियारपेट तालुका पॉन ब्रोकर्स एसोसिएशन के बैनर तले 4 जनवरी को गजराज दिनेश कुमार सोलंकी द्वारा प्रायोजित 19 वा मुफ्त नेत्र, दंत चिकित्सा एवम् मोतिया की शल्य चिकित्सा, चर्म रोग, एक्यूप्रेशर पद्धति द्वारा विभिन रोगों की चिकित्सा हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन चेन्नई के व्यासरपाडी स्थित सीरवी समाज भवन परिसर में विख्यात चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ सुरभि मिश्रा और दंत चिकित्सक डॉ नर्मदा के मार्गदर्शन एवं प्रसिद्ध एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ सुरेश कुमार सिंघवी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। आंखों से संबंधित रोगों का उपचार अग्रवाल नेत्र चिकित्सालय के अनुभवी डॉक्टरों की टीम द्वारा किया गया।

इस मुफ्त नेत्र एवं सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ संघठन के अध्यक्ष रिखबचंद कोठारी के किया। इस मौके पर सीरवी समाज व्यासरपाड़ी के अनेक सदस्य उपस्थित थे। शिविर का संचालन तालुका संघटन के सचिव कालूराम सोलंकी और कोषाध्यक्ष महेंद्र जैन ने किया।

इस शिविर में कुल 178 रोगियों ने विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लिए लाभ प्राप्त किया। कुल 67 रोगियों की नेत्र चिकित्सा की गई। 7 नेत्र रोगियों के नेत्रों का मोतियाबिंद का इलाज शल्य चिकित्सा से कुछ दिनों में किया जाएगा। वहीं 40 मरीजों का एक्यूप्रेशर पद्धित से इलाज किया गया। स्वास्थ्य शिविर में मौजूद कुल लाभार्थियों में से 34 लोगों ने दंत चिकित्सा का लाभ प्राप्त किया। वहीं 37 चर्म रोगियों ने विभिन्न समस्याओं के लिए शिविर में स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शिविर में मौजूद अनुभवी एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ सुरेश सिंघवी द्वारा 40 लाभार्थियों की एक्युप्रेशर पद्धति से अनेको शारीरिक व्याधियों के लिए उपचार किया गया।

धन्यता एक शुभ भाव है : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिंधी कॉलोनी में विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाजी ने कहा कि हमारे जीवन में दुःख, पीड़ा, तकलीफें आती ही रहती हैं, उनको रोकने का कोई उपाय नहीं है। मन यदि संकुचित होगा तो दुःख तीव्र होगा। मन विशाल होगा तो दुःख के अनुभव की तीव्रता काफी कम हो जाएगी। जीवन में दुःख आता है तो उसकी शिकायत करना छोड़ दो, दुःख के सामने लड़ना छोड़ दो, दुःख के लिए रोना छोड़ दो, बस अपने मन को थोड़ा विशाल बना दो, दुःख की अनुभूति कम हो जाएगी। साध्वीश्री ने कहा कि शिकायत करने की आदत मन को संकुचित बनाती है और संकुचित मन में दुःख ज्यादा लगता है। निरंतर शिकायत करने से जिंदगी जहर बन जाती है। शिकायत करने वाले आदमी का मन नाजुक होता है, वह जल्द ही टूट जाता है। उसे छोटी बात में बुरा लग जाता है, फिर यह बात आदत बन जाती है और आदत जिंदगी बन जाती है। उन्होंने कहा कि केवल शिकायत करने से समस्या का समाधान नहीं होता, हमारी शिकायतें हमारे दिमाग को शान्त बैठने नहीं देती, वे व्यक्ति के भावनातंत्र को विषाक्त बना देती

हैं। शिकायत नाम के रोग की विश्व में सर्वोत्तम दवा है धन्यवाद का भाव। साध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि जीवन में जो अच्छा मिला है, उसके लिए धन्यता का अनुभव करो। हर बात के लिए धन्यवाद करो। दिल से धन्यवाद दो। मुझे मेरी पात्रता से अधिक ही मिला है यह भाव रखो, धन्यता एक शुभ भाव है। धन्यता एक भाव' अगर दवाई की गोली होती तो सबसे ज्यादा बिकती। पारस भंसाली ने सभी का स्वागत किया।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु प्रवास पर आए राजस्थान के लूनी ग्राम के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी दिनेश सोनी से लूनी के पूर्व सरपंच एवं प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के महामंत्री जवरीलाल लुनावत ने मुलाकात की तथा उनका स्वागत किया। दिनेश सोनी ने लूनी अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि लूनी अस्पताल में एमआरआई, स्कैनिंग व इको करने की आवश्यक सुविधा हेतु लूनी के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल व चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया गया है। लुनावत ने दिनेश सोनी का सम्मान किया।

ब्रिटेन ने वेनेजुएला में 'शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण' का आह्वान किया

लंदन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर वेनेजुएला में चलाए गए अभियान के परिणामस्वरूप राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़कर अमेरिका ले जाए जाने के बाद ब्रिटेन ने रविवार को वेनेजुएला में सत्ता के ''सुरक्षित और शांतिपूर्ण हस्तांतरण'' का आह्वान किया। प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन लंबे समय से मादुरो की कार्रवाइयों का विरोध कर रहा था और हमलों के बारे में पूरी जानकारी का इंतजार कर रहा है। उन्होंने ''अंतरराष्ट्रीय कानून'' के प्रति अपना समर्थन दोहराया, लेकिन ''तेजी से बदलती'' स्थिति को लेकर ट्रंप की कार्रवाई पर कोई टिप्पणी करने से इनकार किया। स्टार्मर ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट द्वारा जारी एक बयान में कहा, ''ब्रिटेन लंबे समय से वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन का समर्थन करता रहा है। हम मादुरो को एक अवैध राष्ट्रपति मानते थे और उनके शासनकाल के अंत पर हमें कोई दुख नहीं हुआ।'' उन्होंने कहा, मैंने आज सुबह अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति अपने समर्थन को दोहराया। ब्रिटेन सरकार आने वाले दिनों में अमेरिकी समकक्षों के साथ बदलती स्थिति पर चर्चा करेगी, क्योंकि हम वेनेजुएला के लोगों की इच्छा को प्रतिबिंबित करने वाली एक वैध सरकार के लिए सुरक्षित और शांतिपूर्ण सत्ता परिवर्तन सुनिश्चित करना चाहते हैं।

पुरस्कार — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक ह्युमन राइट्स प्रोटक्शन एवं नागलक्ष्मी चौधरी जन सेवा संस्था के संयुक्त तत्वावधान में लग्गेरे स्थित बसवेश्वर कल्याण मंडप में वृक्ष माता सालुमरा दि तिमाक्का सेवा रत्न पुरस्कार' वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बसवराज मालकटी, निश्च्छल आनंद स्वामी, महेन्द्र मुणोत, सुशीला गौड़ा, एसपी आचार्य, गणेश गौड़ा ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कर्नाटक के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए 92 व्यक्तियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने कहा कि हमें अपने अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूक रहना है लेकिन अपने कर्तव्यों को नहीं भूलना है। उन्होंने सालुमरा दि तिमक्का को याद करते हुए पर्यावरण हित में उनके योगदान को याद किया।

ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस का पारिवारिक मिलन समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कोरमंगला क्लब में रविवार को ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) कर्नाटक द्वारा पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें कायस्थ समाज के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। एकता, संस्कृति एवं आपसी सद्भाव के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन एवं प्रबंध ट्रस्टी रागिनी रंजन की वर्जुचल उपस्थिति थी। इस मौके पर वर्ष 2026 के नए कैलेंडर का विमोचन व वितरण किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि नीलेश रंजन, डॉ. कंचन माला, डॉ. किशोर शरण एवं डॉ. टीबीके सिन्हा आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ आराध्यदेव चित्रगुप्त भगवान की पूजा-अर्चना से हुआ। प्रदेश अध्यक्ष नीतेश शरण ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां जैसे सुभाषिनी स्वरूपा की कविता एवं गीत तथा डॉ. टीबीके सिन्हा के गायन ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। जीकेसी कर्नाटक के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। समारोह का समापन प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण-पत्रों के वितरण एवं एक सशक्त, संगठित एवं जुड़े हुए कायस्थ समाज के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

मानवसेवा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के लायंस क्लब सिटी आनंद के सदस्यों द्वारा भूख एवं ठंड' प्रोजेक्ट के तहत सिटी मार्केट चौराहे पर करीबन 1200 लोगों को भोजन एवं 500 लोगों को कम्बल वितरित किए। कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष सुरेश धोका सहित अनेक सदस्यों ने मानवसेवा की। इस आयोजन में लायंस क्लब मेट्रो, मेट्रो सखी, क्रीस पार्क शिक्षणा का योगदान रहा। आगामी कार्यक्रम में जरूरतमंद परिवारों को स्टील के बर्तन दिए जाएंगे।

शिक्षा व नैतिक मूल्यों के लिए दृढ़ संकल्पों का सटीक उदाहरण है महावीर शिक्षण संघ : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु। स्थानीय महावीर जैन शिक्षण संघ के तत्वावधान में संचालित शहर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान भंडारी भबूतमल उम्मेदमल लब्धि जैन विद्यालय (बीबीयूएल जैन विद्यालय) ने अपनी स्थापना का 40वां और सीबी भंडारी जैन कॉलेज ने अपनी स्थापना का 25वां वर्ष दूरदृर्शिता व उत्कृष्टता के उत्सव' के रूप में रविवार को सुबह 10 बजे से पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस गोल्फ सभागार में मनाया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार व बेंगलूरु मध्य के सांसद पी सी मोहन, राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन सुनील सिंघी आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथियों सहित संघ के अध्यक्ष चम्पालाल भंडारी, उपाध्यक्ष व स्मारिका कमेटी चेयरमैन हेमराज मन्नु, मंत्री चम्पालाल जैन, कोषाध्यक्ष अशोक भंडारी, सहमंत्री चम्पालाल दांतेवाड़िया व डॉ जयंतीलाल एवं समारोह कमेटी चेयरमैन प्रकाश पिरगल ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। संघ के अध्यक्ष चंपालाल भंडारी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महावीर जैन शिक्षण संघ की अभूतपूर्व उन्नति और वैश्विक पहचान ट्रस्टियों, शिक्षकों, पूर्व छात्रों, अभिभावकों और शुभचिंतकों के सामूहिक सहयोग से ही संभव हो सकी है। उन्होंने उत्कृष्टता, नैतिकता और समग्र शिक्षा के प्रति संस्था की अटूट प्रतिबद्धता पर बल

बीबीयूल विद्यालय व भंडारी कॉलेज ने मनाया अपनी उपलब्धियों का उत्सव'

दिया। समारोह समिति के अध्यक्ष प्रकाश पिरगल ने कहा कि संघ का विकास किसी एक व्यक्ति का विकास नहीं अपितु टीम वर्क का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव दशकों की निष्ठा, परिश्रम और शैक्षणिक उत्कृष्टता को समर्पित एक कार्यक्रम है। स्मारिका समिति के अध्यक्ष हेमराज मन्नू ने संघ की प्रेरणादायक विरासत, अनुशासित मूल्यों एवं आत्मविश्वासी नागरिकों के निर्माण के मिशन पर प्रकाश डालते हुए भविष्य में भी पूर्ण समर्पण का संकल्प दोहराया। संघ के सचिव चंपालाल जैन ने संघ की यात्रा, उपलब्धियों और भावी कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने महावीर संघ के सभी पदाधिकारियों, पूर्व व वर्तमान विद्यार्थियों को संस्थान की विभिन्न उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि बीबीयूएल जैन विद्यालय और सीबी भंडारी जैन कॉलेज जैसे संस्थान शिक्षा व नैतिक मूल्यों के लिए दृढ़ संकल्पों का सटीक उदाहरण है। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन सुनील सिंघी ने कहा कि किसी भी संस्था में सहयोग देने वाले सभी लोग कभी भी पूर्व या भूतपूर्व नहीं अपितु वे अभूतपूर्व होते हैं जिनके सहयोग से कोई भी संस्था एक बड़ा आकार लेती है। कर्नाटक की धरती ज्ञान, नवाचार व संस्कृति की भूमि है और ऐसी धरती पर महावीर जैन शिक्षण ने अपने संस्थानों के माध्यम से विशिष्ट पहचान बनाई है। सिंघी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के सूत्र आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल, स्वदेशी आदि का जिक करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन है और जीवन ही शिक्षा है। अन्य गणमान्य अतिथियों ने महावीर जैन शिक्षण संघ की उल्लेखनीय यात्रा की सराहना की और इसके निरंतर विकास, प्रगतिशील दृष्टिकोण तथा मूल्य-आधारित शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में योगदान हेतु शुभकामनाएँ दीं।कार्यक्रम के दौरान आडियो वीडियो के माध्यम से महावीर जैन शिक्षण संघ की विकासयात्रा को दिखाया गया। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूल के विद्यार्थी, अभिभावक व विभिन्न सभा संस्थाओं के प्रतिनिधि व समाज के लोग उपस्थित थे। बड़ी संख्या में पूर्व विद्यार्थियों की उपस्थिति ने इस समारोह में एक नया जोश भर दिया। सभी पूर्व विद्यार्थी अपने सत्र की चर्चा करते हुए नजर आए और पूरे कार्यक्रम को अपने यादों व बातों से जीवंत बना दिया। दोपहर में समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति हुई, जिसमें विद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थियों तथा पूर्व विद्यार्थियों ने मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। अभिनेता नवीन शंकर और श्रेयस मंजू ने सांस्कृतिक संध्या में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। हाई ऑक्टेव बैंड की ऊर्जावान प्रस्तुति ने पुरानी यादों को ताजा कर दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.